सच के हक में...

**Ananya Panday** 

Opens Up...

सर्वोत्तम उपचार देने की थी हिदायत

मंगल मुंडा को सर्वोत्तम उपचार सुविधा

देने के लिए कहा गया था। हेमंत और

कल्पना सोरेन ने चिकित्सकों से मरीज

की स्थिति की जानकारी ली थी।

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

## E-Paper : epaper.thephotonnews.com Ranchi ● Saturday, 30 November 2024 ● Year : 02 ● Issue : 307 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com नहीं रहे धरती आबा भगवान बिरसा के वंशज मंगल मुंडा, शोक की लहर

शक्रवार को धरती आबा भगवान बिरसा मंडा के वंशज सुखराम मुंडा के बड़े पुत्र मंगोल मुंडा का रिम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया। सडक हादसे में घायल होने के बाद रिम्स में उनका इलाज चल रहा था। शुक्रवार की शाम मंगल मुंडा का शव उनके पैतुक गांव पहुंचा। उनका अंतिम संस्कार भगवान बिरसा के पैतृक गांव खूंटी के उलिहातू में हुआ। जैसे ही मंगल मुंडा का शव रांची से खूंटी के उलीहातू पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। खूटी में एक्सिडेंट होने के बाद उन्हें रिम्स लाया गया था और उनका ऑपरेशन भी हुआ था। गौरतलब है कि मंगल मुंडा अपने एक दोस्त के साथ एक सवारी गाड़ी की छत पर सवार होकर खूंटी से तमाड़ जा रहे थे। इसी दौरान साइको थाना क्षेत्र के रुताडीह मोड़ के समीप अनियंत्रित होकर गाड़ी पलट गई। वाहन पलटने से छत पर बैटे मंगल और उनके मित्र सड़क पर गिर गए। इससे मंगल को काफी गंभीर चोटें आई थीं, जबिक उनके मित्र को मामूली चोट लगी थी। इसके बाद मंगल को रिम्स लाया गया था, जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी बुधवार को इलाजरत मंगल की जानकारी डॉक्टरों से ली थी। बेहतर इलाज को लेकर निर्देश भी दिए थे।

सड़क हादसे में घायल होने के बाद रिम्स में चल रहा था इलाज, 26 नवंबर को गंभीर रूप से हो गए थे जख्मी पैतृक गांव खूंटी के उलिहातू में किया गया अंतिम संस्कार, राष्ट्रपति, पीएम, सीएम सहित कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि



पार्थिव शरीर पर हेमंत ने किया पूष्प चक्र अर्पित

बिरसा मुंडा के वंशज के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सीएम हेमंत सोरेन शुक्रवार को रिम्स पहुंचे और दिवंगत मंगल मुंडा के पार्थिव शरीर पर पुष्प–चक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान व शोकाकल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। हेमंत सोरेन ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें सांत्वना भी दिया।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा जी की मृत्यु on समाचार बहुत दुखद है। यह उनके परिवार के साथ-साथ समी देशवासियों, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। में उनके परिवारजनों के प्रति गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।

द्रौपदी मुर्म्, राष्ट्रपति। भगवान बिरसा मंडा जी के वंशज

मंगल मुंडा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना उनके परिवार के साथ ही झारखंड के जनजातीय समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री।

भर्ती में देरी की होगी जांच : मंगल मुंडा के निधन के बाद अब रिम्स सेंट्रल इमरजेंसी में भर्ती में देरी की मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान भी लिया गया है। रिम्स प्रबंधन ने इस मामले की जांच कराने का फैसला लिया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ हीरेंद्र बिरुआ ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

#### परिजनों का री-रोकर बुरा हाल

मंगल मुंडा को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचे। मंगल मुंडा के पिता सुखराम मुंडा, मां

लिखमनी देवी. चाचा बधराम मंडा और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बरा हाल है।

# : 79,802.79 : 24,131.10

# 100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

### **BRIEF NEWS**

#### मणिपुर में 13 दिन बाद खुले स्कूल-कॉलेज

IMPHAL : 13 दिनों तक बंद रहने के बाद इंफाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दियाँ था। हायर एंड सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज

टेविनकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और ककी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे। झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नर्दियों में उनके शव मिले थे। राज्य सरकार ने शुक्रवार को घाटी के सभी पांच जिलों और जिरीबाम में सबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक कपर्य में ढील दी है, ताकि लोग जरूरी चीजों और दवाओं की खरीदारी कर सकें।

#### 2 साल के निचले स्तर पर आई आर्थिक वृद्धि दर

NEW DELHI : भारत की आर्थिक

वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में घटकर लगभग दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह ८.१ प्रतिशत थी। सरकार की ओर से शुक्रवार को इसके आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। हालांकि, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। इस वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि 4.6 प्रतिशत रही। जीडीपी वृद्धि का पिछला निम्न स्तर 4.3 प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में दर्ज किया गया था। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र का जीवीए 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही में

#### **AGENCY GONDIA:**

शुक्रवार को महाराष्ट्र के गोंदिया में एक यात्री बस भीषण हद से का शिकार हो गई। हादसे में 12 यात्रियों की जान चली गई। 16 से ज्यादा यात्री घायल हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर बताई गई है। बताया जाता है कि महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल की शिवशाही बस (एमएच-09-ईएम-1273) भंडारा से गोदिंया आ रही थी। हादसा गोंदिया से 30 किमी पहले खजरी गांव के पास हुआ। लोगों के मुताबिक घटना 12.30 बजे के करीब की है। बाइक सवार को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर से बस अनकंट्रोल हुई और सडक किनारे की रेलिंग से टकराने के बाद पलट गई। एक्सीडेंट के बाद डाइवर मौके से भाग निकला। घायलों को नजदीकी अस्पतालों

🗕 बाइक सवार को बचाने के दौरान रेलिंग से टकराकर पलटी बस

गोंदिया से 30 किमी पहले खजरी गांव के पास हुई

घायलों में 10 की हालत गंभीर, बस में सवार थे 30 लोग

महाराष्ट्र में भीषण बस हादसा

🗕 हादसे के बाद मौके से तत्काल फरार हो गया



### शिंदे ने प्रशासन को दिया घायलों का उचित इलाज कराने का निर्देश

जानकारी मिलते ही कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उक्त दुर्घटना के संबंध में स्थानीय प्रशासन से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने घायलों को तत्काल और उचित इलाज देने के निर्देश भी दिए। भाजपा नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने

गोदिंया में शिवशाही बस दुर्घटना को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि गोंदिया जिले में सडक अजर्नी के पास एक शिवशाही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई और कुछ यात्रियों की मौत हो गई।

दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित

करता हूं। हम उनके परिवार का दुख

साझा करते हैं। इस घटना में घायल हुए

लोगों का अगर किसी निजी अस्पताल में

### इलाज कराना भी पड़े तो उन्हें तरंत ऐसा करने का निर्देश दिया गया है।

## में भर्ती कराया गया है। घटना की कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने रुपये मुआवजे का एलान किया। को 10 लाख रुपये की तत्काल

# जानकारी मिलते ही महाराष्ट्र के मृतकों के परिवार को 10-10 लाख मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पीड़ितों सहायता देने की घोषणा की है।

# १०.१ डिग्री सेल्सियस हुआ न्यूनतम तापमान, अधिकतम में भी आई गिरावट

# झारखंड में सामान्य से नीचे गया पारा, बढ़ेगी ठिठुरन

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

झारखंड में राजधानी रांची सहित अन्य इलाकों में सर्दी बढ़ गई है ठंड का असर दिखने लगा है। न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहुंच गया है। राजधानी रांची, जमशेदपुर, डालटेनगंज और बोकारो जैसे शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। हालांकि, न्यूनतम तापमान अभी सामान्य से मामूली अधिक है। मौसम विभाग के पूर्वार्नुमान के मुतार्बिक एक-दो दिनों में ठंड और बढ़ेगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने बताया है कि झारखंड का न्यूनतम तापमान १०.१ डिग्री सेंटीग्रेड हो चका है। यह और नीचे जाएगा। अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस है। पिछले 24 घंटे के दौरान गढवा झारखंड का सबसे सर्द जगह रहा। यहां का न्यनतम तापमान १०.१ डिग्री सेंटीग्रेड रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी सिंहभूम जिले

के चाईबासा में अधिकतम तापमान सबसे अधिक रहा।

# अधिकतम तापमान २७.८ डिग्री सेल्सियस, गढ्वा सबसे सर्द जगह

#### आज सुबहू छाई रहेगी धुंध

मौसम विभाग ने कहा है कि 30 नवंबर यानी शनिवार को सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध छाया रहेगा। इसके बाद आसमान में आंशिक

बादल छाए रहेंगे। मौसम शुष्क ही रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मताबिक, राज्य में अगले २ दिन तक न्युनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

आज तमिलनाडु से टकरा सकता है फेंगल तुफान, ८ राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी

NEW DELHI : देश के उत्तरी राज्यों के साथ-साथ अब मध्य भारत के राज्यों में भी टंड का असर लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। उत्तर भारत के राज्यों में बर्फबारी के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्म-कश्मीर फिलहाल सबसे टंडे राज्य हैं। मौसम विभाग ने बताया हिमाचल के लाहौल स्पीति में रात का तापमान माइनस ११ डिग्री तक पहुंच गया है।

# चिंता की बात एग्रीकल्वर से जुड़े हैं देश के 46% लोग, फिर भी अनुकूल नहीं उपलब्धि

# खराब स्थितियों ने कमजोर किया कृषि का जीडीपी

बढ़कर ३.५ प्रतिशत हो गया।

ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) किसी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती का मानक माना जाता है। लोग जिन क्षेत्रों में कार्यरत होते हैं, वहां की अर्थ प्रक्रियाओं का योगदान जीडीपी में होता है और अलग-अलग क्षेत्र के जीडीपी को मिलाकर सकल घरेलू उत्पाद तैयार किया जाता है। आज चाहे तकनीकी और वैज्ञानिक दृष्टि से भारत कितना भी आगे क्यों न बढ़ गया हो, कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की संख्या अभी भी सर्वाधिक है। लेकिन, सवाल उढता है की जीडीपी में उसका योगदान क्या है। इस दृष्टि से इसकी कमजोर स्थिति स्पष्ट होती है। इसके कारण में स्थितियां जिम्मेदार हैं। इनमें सुधार हो तो जीडीपी छलांग लगाने में कामयाब हो जाएगा। वाकई भारत को वर्तमान में एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। देश का

46 प्रतिशत कार्य बल कृषि क्षेत्र में है, लेकिन

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका

योगदान केंवल १८ प्रतिशत का ही है।

## रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज गति देने में उत्पन्न होती है बाधा बिल्डिंगों के बोझिल नियम बढ़ाते हैं लागत, परियोजनाओं में करते हैं देरी



फाउंडेशन फॉर विनिर्माण क्षेत्र इकोनॉमिक में अकुशल डेवलपमेंट की लोगों को भी रिपोर्ट में हुआ कुशल बनाने की होती है

इतने हाड़े कार्य बल के जुड़ाव के ह्यावजूद योगदान रार्फ 18% श्रमिकों की नौकरियां

कृषि क्षेत्र की तुलना में तीन से छह गुनी अधिक उत्पादक

## छह गुना अधिक उत्पादक

फाउंडेशन फॉर इकनॉमिक डेवलपमेंट रिपोर्ट के अनुसार विनिर्माण एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जो अर्थव्यवस्था को आगे बढाने के लिए आवश्यक पैमाने पर अकुशल लोगों को भी अपने क्षेत्र में शामिल करने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार, विनिर्माण और सेवाओं में नौकरियां कृषि क्षेत्र की तुलना में तीन से छह गुना अधिक उत्पादक हैं और यह कार्यरत लोगों को उच्च उत्पादकता वाली

भूमिकाओं में बदलने की क्षेत्र की

क्षमता को रेखांकित करती हैं।

#### पर्याप्त श्रमिक आवास की कमी

विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियों के लिए केंद्र के रूप में कार्य करने वाले औद्योगिक क्लस्टर को आसपास के कस्बों और गांवों की तुलना में अधिक पास पर्याप्त श्रमिक आवास की कमी एक प्रमुख बाधा के रूप में उभरी है, जिससे श्रमिकों की कमी और उत्पादकता में गिरावट आ रही है। रिपोर्ट में अक्सर अनौपचारिक होते हैं, जिनमें अवैध या घटिया बस्तियां शामिल होती हैं, जो जरूरी सुविधाओं, पैमाने और गुणवत्ता को पूरा करने में विफल रहती हैं।

# 12 लोगों की गई जान, 16 जख्मी कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने की मृतकों के आश्रितों को 10 लाख रुपये देने की घोषणा

#### तुरंत पहुंचा राहत और बचाव दल

पुलिस के अनुसार, एसटी महामंडल की शिवशाही बस नागपुर से गोंदिया जा रही थी। अचानक अंजुर्नी तहसील के खजरी गांव के पास एक बाइक को बचाते समय बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही एसटी प्रशासन, स्थानीय पुलिस की टीम और राहत और बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंचा और मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया है। पुलिस के अनुसार एसटी बस में से खबर लिखे जॉने तक 12 लोगों के शव निकाले जा चके थे। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। गुणायन के तरिष्ठ थशिकारी मौके पहुंच गए हैं और राहत कार्य का समन्वय कर रहे हैं।



## संभल मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खलेगी

NEW DELHI: शुक्रवार को संभल की जामा मस्जिद के सर्वे मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आदेश दिया कि

• ८ जनवरी तक कोई एक्शन नहीं लेने का ट्रायल कोर्ट को दिया निर्देश इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक और

याचिका पुलिस अफसरो पर केस दर्ज करने की मांग

इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुलिस अफसरों पर एफआईऑर दर्ज कराने को लेकर एक और याचिका दाखिल की गई है। यह याचिका हजरत ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर एसोसिएशन महाराष्ट्र सचिव मोहम्मद यूसुफ ने दाखिल की है। उनका कहना है कि संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान विरोध में आई भीड़ पर एक पुलिस वदीधारीं ने कहा कि सब लोग गोली चलाओ। इसके बाद अंधाधुंध गोली चलाते पुलिस को देखा गया, जिसमें

# सुप्रीम कोर्ट का आदेश

मेरिजद की सर्वे रिपोर्ट नहीं

खुलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से कहा कि ८ जनवरी तक केस में कोई एक्शन न लें। शांति जरूरी है। बता दें कि गुरुवार को संभल की शाही जामा मस्जिद की तरफ से सुप्रीम

कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। सीजेआई की बेंच में इस पर सुनवाई हुई। दूसरी ओर

5 लोगों की मौत हो चुकी है।

# निमियाघाट के थानेदार को गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा



#### **PHOTON NEWS GIRIDIH:**

केंद्रीय गृह मंत्रालय के जरिये वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर देश के तीन सर्वश्रेष्ठ थानों में चयनित गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाने को राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा गया। शुकवार को भवनेश्वर के कन्वेंशन सेंटर लोक सेवा भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निमियाघाट थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी राणा जंगबहादर सिंह को टॉफी देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि गह मंत्रालय की टीम प्रत्येक वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में थाना का निरीक्षण करती है। उसमें से उत्कष्ठ थानों का चयन करती है। निरीक्षण के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाती है। पलिस पदाधिकारी के अनुसार इस दौरान आम लोगों के साथ पुलिस का व्यवहार, साफ सफाई, अतिरिक्त सुविधाओं में जैसे थाना में पेंट्री की सुविधा, पुलिस

- 🗖 देश के तीन बेस्ट थानों में गिरिडीह जिले का यह थाना शामिल
- 💻 गृह मंत्रालय की टीम हर वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में थानों का करती है निरीक्षण
- 💻 चयन प्रक्रिया में १० प्वॉइंट शामिल, कई क्राइटेरिया को करना पड़ता है पार

कृत कार्रवाई आदि। पुलिस सुत्रों की मानें तो निमियाघाट थाने को बेहतर कामकाज के लिए राष्ट्रीय स्तर पर देश के उन टॉप तीन थानों की श्रेणी में गृह मंत्रालय ने शामिल किया था। चयन के लिए कई कई क्राइटेरिया को पार करना पड़ता है। इनमें थाना क्षेत्र में अवैध कारोबार पर लगाम लगाना और जनता से बेहतर संबध बनाए रखना भी शामिल है। हालांकि,चयन प्रक्रिया में 10 और प्वॉइंट शामिल हैं। फिलहाल तीन प्वाइंट प्राथमिकता में शामिल है।

#### पलिस अधिकारियों की सराहनीय मेहनत

सफाई प्रक्रिया को लेकर तत्कालीन गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा के निर्देश पर एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद और तत्कालीन थानेदार राणाँ जंग बहादुर सिंह ने कड़ी मेहनत की थी। जनता से बेहतर संबंध को लेकर दीपक शर्मा और सुमित प्रसाद खुद प्रयासरत थे। दीपक शर्मा के निर्देश पर अवैध कारोबार कोयला, पशु तस्करी के साथ बालू और पत्थरों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई

कर्मियों को फिट रहने के लिए

थाना में उपलब्ध सुविधा,

विकलांग लोगों के लिए रैंप की

सविधा, थाना में शिकायत पर

की गई थी। वर्तमान एसपी डॉ विमल कुमार के निर्देश एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में निमियाघाट थाना ने कई और चीजों पर फोकस किया, जिसमें सफलता मिलने के बाद डीजीपी के निर्देश पर निमियाघाट थाना को राष्ट्रीय अवार्ड के लिए अनुशंसित किया गया था। इसके बाद केंद्रीय गह मंत्रालय ने गिरिडीह के निमियाघाट थाना का चयन राष्ट्रीय अवार्ड के लिए किया।

कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी ने किया संबोधित

# हार से गुस्साए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश

ओडिशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन, पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



संविधान की भावना को कुचलने व लोकतंत्र की गरिमा गिराने का लगाया आरोप

खिलाफ साजिश कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि उन्होंने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है।

**©** BRIEF NEWS

जानकारी रेल पुलिस और स्थानीय जिला पलिस को दी। सचना मिलते

ही जीआरपी पोस्ट की पुलिस मौके

पर पहुंची और शव को कब्जे में

लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर

अस्पताल पाकुड़ भेज दिया। मृत

की पहचान सदर प्रखंड के

संग्रामपुर गांव निवासी शम्भुनाथ

(70) के रूप में की गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार

शम्भुनाथ रेलवे पटरी पार कर रहा

था। इस दौरान वह ट्रेन की चपेट में

आ गया और पटरी से दूर जा गिरा।

अनियंत्रित बाइक पुल के

नीचे गिरी, युवक की मौत

KODARMA: जिले के जयनगर

थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा

कोवाड़ सड़क स्थित अकतो नदी

पुल पर से बाईक सवार तीन लोग

गिर गए, जिनमें एक यवक की

मौत हो गई। घटना ने दो अन्य

लोग घायल हो गए। मृतक की

पहचान अशोक रजवार(26)

पिता लखन रजवार के रूप में हुई

है। वहीं घायलों की पहचान कारु रजवार पिता नामालूम, सुदन

रजवार पिता स्व. भुनेश्वर रजवर,

ग्राम रविदास मोहल्ला जयनगर

पूर्वी पंचायत थाना जयनगर निवासी के रूप में हुई है।

आईटीआई कॉलेज में मनी

ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि

HAZARIBAGH: लखन मेहता

आईटीआई कॉलेज में शुक्रवार को

भी ज्योतिबा फुले का पुण्यतिथि

मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप

में उपस्थित बरकट्टा विधानसभा के

निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद

मेहता ने ज्योतिबा फुले के तस्वीर

पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि

दिया। मेहता ने कहा कि महात्मा

जोतिराव गोविंदराव फुले एक

भारतीय समाज सुधारक, समाज

प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी,

लेखक, दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी

कार्यकर्ता थे। इन्होंने महाराष्ट्र में

सत्य शोधक समाज नामक संस्था

का गठन किया। उन्होंने कहा कि

महिलाओं व पिछड़े के उत्थान के

लिए इन्होंने अनेक कार्य किए।

समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान करने के ये प्रबल समर्थक

थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित

जाति पर आधारित विभाजन और

भेदभाव के विरुद्ध थे।

कइ यात्रा घायल

खूटी में सड़क हादसा

ट्रेन की चपेट में आकर

वृद्ध की गई जान

# अभिषेक हेंब्रम हत्याकांड में चचेरे भाई समेत दो गिरफ्तार



**PHOTON NEWS JSR:** 

परसुडीह के छोलगोड़ा निवासी 40 वर्षीय अभिषेक हेंब्रम की हत्या मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 14 नवंबर की रात हुई इस हत्या में मृतक की पत्नी ने चचेरे भाई रौशन हेंब्रम और उसके साथी भोला पर आरोप लगाया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को ओडिशा से गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल किया गया कट्टा और बाइक भी बरामद कर लिया है। एसएसपी किशोर कौशल ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि हत्या की वजह जमीन विवाद था। रौशन और अभिषेक चचेरे भाई थे और एक ही इलाके में राशन दुकान चलाते थे। दोनों के बीच दुकान के ग्राहकों को लेकर लंबे

समय से विवाद चल रहा था। 14 नवंबर की रात अभिषेक अपने घर में खाना बनाने की तैयारी कर रहा था, तभी रौशन और भोला ने घर में घुसकर उसे गोली मार दी।घटना के बाद दोनों आरोपी अपने मोबाइल बंद कर सिम तोड़कर ओडिशा भाग गए थे। पुलिस को इस मामले में रौशन के आपराधिक इतिहास का भी पता चला है। रौशन पर ओडिशा के ढेंकानाल में आर्म्स एक्ट और लुट का मामला दर्ज है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि हत्या की साजिश पहले से रची जा रही थी। घटना से ठीक एक दिन पहले रौशन ने हथियार खरीदा था। हत्या के बाद दोनों आरोपियों ने खुद को पुलिस से बचने के लिए मोबाइल और सिम

कार्ड तोड़ दिए थे।

# रंगदारी मामले की जांच के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ा दुकानदार

#### फर्जी सिम बेचने वाले गैंग का PAKUR: जिले के तिलभीटा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को खुलासा, तीन लोग गिरफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने मामले की

**PHOTON NEWS JSR:** 

शहर में फर्जी सिम कार्ड बेचने वाले एक गैंग का खुलासा हुआ है। पलिस ने इस मामले में साकची थाना क्षेत्र से दानिश स्टोर के संचालक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर सिम रिप्लेस करने के नाम पर ग्राहकों की जानकारी का दुरुपयोग कर फर्जी सिम कार्ड जारी कर अपराधियों को बेचने का आरोप है। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बिरसानगर थाना की पुलिस ने एक रंगदारी मामले की जांच के दौरान साकची स्थित सुहागन मॉल के पास दानिश स्टोर पर छापेमारी की। पत्ता मार्केट के पास दुकान में छापेमारी के दौरान पुलिस ने स्टोर से एक फर्जी सिम कार्ड और अन्य बेचे गए सिम कार्ड की जानकारी जुटाई। इस मामले में पुलिस ने स्टोर संचालक मोहम्मद दानिश और उसके दो सहयोगियों गौरव

पासवर्ड जारी कर दिया गया है।

अगर किसी स्कूल का लॉगइन व

पासवर्ड जेनेरेट नहीं हुआ है जो

अपने जिले के जिला शिक्षा

पदाधिकारी कार्यालय के माध्यम से

धूमधाम से मना बाबा विनय

दास का १०९वां जन्मदिन

बाबा विनय दास से आशीर्वाद मांगते विधायक रामदास सोरेन।

PHOTON NEWS GHATSHILA:

गालुडीह स्थित रंकिणी मंदिर के

पुजारी बाबा विनय दास का

109वां जन्मदिन शुक्रवार को

इसे जेनरेट करा सकते हैं।



कुमार प्रसाद और सौरभ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनसार, कछ दिनों पहले बिरसानगर में लोयोला स्कूल के

से बिट्ट कामत के नाम पर फोन पर रंगदारी मांगी गई थी। फोन करने वाले ने रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी।

# को जेल भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

PALAMU: पलाम् में एक व्यक्ति की गुरुवार की रात सड़क हादसे में मौत हो गई। जिसके बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। घटना जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में पुलिस लाईन के पास मुख्य सड़क पर हुआ। सड़क पर बालू गिरे होने के कारण मोटरसाइकिल फिसल गई और इस पर सवार चैनपुर थाना क्षेत्र के पूर्वडीहा निवासी मुखराम दुबे (60) सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से एमआरएमसीएच में मुखराम दुबे की इलाज के क्रम में मौत हो गई। मुखराम दुबे अघोर आश्रम रोड में नाइट गार्ड का काम करते थे। वह न्यू एरिया हमीदगंज के रहने वाले नीरज कुमार ठाकुर के साथ गुरुवार देर रात 12 बजे के करीब पुलिस लाइन की ओर से बाइक पर सवार होकर ड्यूटी स्थल

#### सड़क पर गिरे बालू से अनियंत्रित होकर बाडक पलटी, एक की गई जान

थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। जांच

में जब पुलिस उस नंबर तक

पहुंची, तो पाया कि जिस व्यक्ति के

नाम पर सिम जारी हुआ था, उसे

इसके बारे में कोई जानकारी नहीं

थी। इसके बाद पुलिस ने उस सिम

को जारी करने वाले दुकानदार की

तलाश की और दानिश स्टोर तक

पहुंची। पुलिस की पूछताछ में

दानिश ने स्वीकार किया कि वह

सिम रिप्लेस या नया सिम लेने

आने वाले ग्राहकों की जानकारी

का दुरुपयोग कर उनके नाम पर

दुसरा सिम एक्टिवेट कर लेता था।

इन सिम कार्डों को वह 500 से

1000 रुपये में अपराधियों को

बेचता था। इस काम में उसे गौरव

और सौरभ का भी सहयोग मिलता

था। दानिश ने अब तक कई फर्जी

सिम कार्ड बेचने की बात कबूली है।

फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों

# केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री गोपी ने की विकास योजनाओं की समीक्षा

PHOTON NEWS LOHARDAGA केंद्रीय पेटोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने शुक्रवार को ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम टीएडीपी की समीक्षा जिला परिषद कार्यालय स्थित सभाकक्ष में की। समीक्षा बैठक में आकांक्षी जिला अंतर्गत निर्धारित इंडीकेटर्स की समीक्षा की गई और सौ प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश सभी संबंधित विभागों को दिए। इस बैठक में स्वास्थ्य व पोषण के विषय अंतर्गत प्रसव पूर्व जांच, एनीमिया, सिकल सेल जांच, साफ-सफाई, स्वच्छ पीने के पानी आदि बिंदुओं पर गहनता से चर्चा की गई। कहा गया कि स्वस्थ रहने के लिए साफ पानी का उपयोग बहुत आवश्यक है। चाहे वह पीने का पानी हो या नहाने का पानी

६ साइबर अपराधियों

को पुलिस ने पकडा

र्क विभिन्न साइबर अड्डों में छापेमारी

अभियान चलाया, जहां से कुल 6

साइबर अपराधियों को पुलिस ने

करते हुए रंगे हाथों 6 साइबर

गढित कर छापेमारी अभियान

पकड़ा। अपराधियों के पास से कई

मोबाइल और फर्जी सिम बरामद हुए हैं। कमार्टींड में साइबर अपराध

अपराधी पकड़े गए। साइबर अपराध

पर लगाम लगाने को लेकर साइबर

थाना की पुलिस ने कमार्टीड़ थाना

क्षेत्र के विभिन्न साइबर अड्डों पर टीम

चलाया। इसी अभियान के तहत यह

सफलता मिली। साइबर अपराधी

अपने अड्डे पर साइबर अपराध को

करते हुए अपराधियों को दबोच लिया। पुलिस ने साइबर अपराधियों

फर्जी सिम, एक मोटरसाइकिल

अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने छापेमारी

के पास से काफी संख्या में मोबाइल,

JAMTARA: साइबर थाना पुलिस ने साइबर के गढ़ कमार्टांड

> इस्तेमाल किया जाना हो, साफ पानी बहुत आवश्यक है जिसका ध्यान रखा जाना चाहिए। घरों में प्रसव की स्थिति में उसे स्किल्ड बर्थ अटेंडेंट की देखरेख में कराये जाने का निर्देश दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर व्यवस्था और समय से मरीजों को वहां तक पहुंचाने के लिए व्यवस्था रखे जाने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य व

जांच, नवजात द्वारा स्तनपान, टीबी रोगियों की पहचान आदि विषय पर चर्चा की गई व निर्देश दिए गए। बैठक में शिक्षा के विषय पर प्राइमरी, अपर प्राइमरी से सेकेंडरी तक छात्र-छात्राओं के ट्रांजिशन पर चर्चा की गई और इसके लिए बेहतर पहल किये जाने का निर्देश दिया गया, ताकि कोई अपनी पढ़ाई अधुरी नहीं छोड़े।

#### एमबीएनएस ने मनाया आज से भरा जाएगा 11वीं का रजिस्ट्रेशन व परीक्षा फॉर्म जनजातीय गौरव दिवस JAMSHEDPUR : झारखंड



कराने की तिथि 16 दिसंबर है, एजुकेशन के एनएसएस सेल ने जबिक विलंब शुल्क के साथ 21 शुक्रवार को जनजातीय गौरव दिसंबर है। जैक की ओर से कहा दिवस मनाया। कार्यक्रम में यूपीजी गया कि छात्र स्कूल के माध्यम से हाई स्कूल, चौका और एसएस +2 रजिस्ट्रेशन फॉर्म भर सकेंगे। इसके हाई स्कूल, चांडिल के छात्रों ने भाग लिए सभी स्कूलों को लॉगइन व

बताया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट की प्राचार्या पिंकी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका भारती, भबतारण भकत, डॉली सिंह, मधुसूदन महतो, मिली कुमारी सहित छात्र मौजूद थे।

### सांसद ढुल्लू महती ने रेल मंत्री से की मुलाकात

DHANBAD : सांसद ढुल्लू महतो ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर रेल सेवाओं के विस्तार और सुधार के लिए एक मांग पत्र सौंपा है। धनबाद सांसद ढुल्लू ने कोविड -19 महामारी के दौरान बंद हुई टेनों को पनः शरू करने और नई टेन सेवाओं की आवश्यकता पर जोर दिया है। वहीं रेल मंत्री ने सकारात्मक पहल करने की बात कही है।

## घटनास्थल पर मिली शराब व पानी की बोतल, गिलास व बाइक

# पत्थर से कूचकर सोनुवा में एक युवक की निर्मम हत्या, जांच में जुटी पुलिस

**PHOTON NEWS CHAIBASA:** पश्चिमी सिंहभम जिला के सोनवा थाना क्षेत्र में एक युवक की पत्थर से कुचकर निर्मम हत्या कर दी गई है। यह घटना सोनुवा-चक्रधरपुर मुख्य मार्ग के बैधमारा पुलिया के सामने पुराने डायवर्सन के पास की है। मृतक की पहचान सोनुवा थाना क्षेत्र के महुलडीहा गांव के 26 वर्षीय युवक तरण महतो उर्फ टीनू के रूप में की गई है। पलिस को घटनास्थल से शराब व पानी की बोतल, गिलास व एक बाइक भी मिली है। प्रथम दृष्टया घटनास्थल को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि गुरुवार देर रात युवक अपने साथियों के साथ पार्टी कर रहा होगा। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसकी हत्या कर दी गई होगी। मृतक तरण महतो भी बालू के कारोबार से जुड़ा



था। उसके ट्रैक्टर से बालू की ढुलाई होती थी। लोग इस हत्याकांड को बालू के कारोबार से जोड़कर देख रहे हैं। चर्चा है कि मतक अवैध बालू के कारोबार में रुपये का लेनदेन भी करता था। बरहाल अब जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि मामला क्या है। पोड़ाहाट के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ललिन कुमार मरांडी ने कहा कि हत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है, मामले का खुलासा जल्द होगा।

#### दो बाइकों की टक्कर में युवक व किशोरी की मौत

BAHARAGORA : बहरागोडा थाना क्षेत्र के एनएच-18 पर शुक्रवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक युवक व एक किशोरी की मौत हो गई। बताया जाता है कि यह घटना एनएच के सर्विस रोड पर होटल ओमकृष्णा के समीप हुई, जिसमें ईचड़ाशोल गांव निवासी २१ वर्षीय युवक अविनाश शर्मा तथा साकरा गांव निवासी 14 वर्षीय किशोरी सीमा मुंडा की मौत हो गई। किशोरी अपने गांव साकरा से परिवार संग धान काटने के लिए पाठबेड़ा जा रही थी। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टकरा गई। बाइक पर अंगारपाड़ा गांव निवासी युवक राहुल नायक तथा उसका दोस्त अविनाश शर्मा सवार थे। अविनाश अपनी बहन की शादी का कार्ड बांट कर आ रहा था।

#### पश्चिमी सिंहभूम जिले में तीन लाख विचंटल धान क्रय का लक्ष्य



CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला के समाहरणालय में शुक्रवार को धान अधिप्राप्ति को लेकर बैठक हुई। इसमें उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने बताया कि इस बार 3 लाख क्विंटल धान क्रय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। धान अधिप्राप्ति के लिए अधिकतम सीमा प्रति किसान 200 क्विंटल है। क्रय के समय धान में 17% से अधिक की नमी न रहनी चाहिए। जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की इस बैठक में अपर उपायुक्त प्रवीण केरकट्टा, सहायक समाहर्ता अर्नव मिश्रा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलको, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी सहित सभी बीडीओ, सीओ उपस्थित रहे।

#### इसके बाद भक्तों ने मंदिर परिसर को 2 हजार दीपों से सजाया। भक्त ट्रक को टक्कर मारने से ये हादसा

उग्रवाद और पिछड़ेपन के प्रभाव को भूल कर जीवन को नए रास्ते पर ले जाना किया शुरू गागरूकता :

# अफीम व गांजे की खेती छोड़ किसान उगाने लगे सब्जियां

**PHOTON NEWS CHATRA:** झारखंड और बिहार के सीमा में चतरा जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड की कभी पहचान उग्रवाद और पिछड़ेपन के लिए होती थी। कान्हाचट्टी का उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र गडिया अमकुदार पोस्ते की खेती का सेफ जोन के लिए जाना जाता था। अफीम की खेती व तस्करी के लिए यह इलाका पुलिस और प्रशासन के लिए सरदर्द था। ग्रामीण गांजा और पोस्ते की खेती कर अच्छे खासे पैसे कमाते थे। पोस्ता के फल में चीरा लगाकर अफीम निकालने के धंधे में कई संलिप्त थे। पुलिस व प्रशासन के बढ़ते दबाव व जागरूकता के कारण अब ग्रामीण पोस्ते की खेती को छोड़कर सब्जियों की खेती की ओर रूख कर लिए हैं। जिन खेती में कभी नशे की खेती



होती थी उन खेतों में किसान मूंग, आलू, टमाटर व अन्य नकदी फसलों की खेती करना प्रारंभ कर दिए हैं। एसपी विकास पांडे ने बताया कि आज से दो तीन वर्ष पूर्व गडिया, अमकुदर व आसपास के गांवों में पोस्ते की सफेद फलों की चादर से क्षेत्र ढका रहता था। दूर से ही अफीम

का सुगंध महकने लगता था। लेकिन आज की फिजां ही कुछ और बयां कर रही है। ग्रामीण टमाटर, मटर, आलू की खेती कर आत्मनिर्भर बनने की राह पर हैं। हालांकि पोस्ते की खेती कर ग्रामीण भले ही मालामाल हुआ करते थे। लेकिन इसकी खेती करने की जुर्म में गडिया

अमकूदार, सिकिद, पथेल, नारे धैवैया आदि दर्जनों गावों के करीब डेढ़ सौ से अधिक ग्रामीणों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया। आज के तीन चार वर्ष पूर्व पोस्ते की खेती करने व कराने के लिए उक्त गांव सेफ जोन माना जाता था। पुलिस की मानें मो पहले इन

गांवों में पहुंचने का रास्ता नहीं था। अब इन गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें, पुल पुलिया बन चुकी है। अपराधियों व उग्रवादियों पर नकेल कसने के लिए गडिया गांव में सीआरपीएफ का स्थायी कैंप स्थापित किया गया है। पुलिस के द्वारा ग्रामीणों के साथ बैठक कर पोस्ते की खेती नहीं करने के लिए जागरूकता चलाया जाता है और ग्रामीणों को संकल्प भी दिलाया गया है। एसपी विकास पांडे ने बताया कि चतरा में नशे की खेती के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जाता है। ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर इससे होने वाले नुकसान से उन्हें अवगत कराया जा रहा है। पुलिस अफीम की खेती को रोकने के लिए पुरी मुस्तैदी से कार्य कर रही है।

#### टाटा-आसनसील २ व ६ को आद्रा में रहेगी शॉर्ट टर्मिनेट

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल में रोलिंग ब्लॉक के कारण टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। रेलवे द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक, ट्रेन नंबर-08174 टाटा-आसनसोल एक्सप्रेस 2 और 6 दिसंबर को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। ट्रेन नंबर-18601 टाटा-हटिया एक्सप्रेस 6 दिसंबर को बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन चांडिल-पुरुलिया-कोटशिला-मुरी की जगह चांडिल-गुंडाबिहार-मुरी के रास्ते चलेगी।

#### ब्लॉक क्लीजर आज

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स, जमशेदपुर प्लांट में शनिवार को ब्लॉक क्लोजर रहेगा। इस संबंध में प्लांट हेड की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि केवल इमरजेंसी विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों को उनके प्रमुख बुला सकते हैं। मालुम हो कि पिछले 10 दिनों में कंपनी ने तीसरी बार ब्लॉक क्लोजर लिया है।

# बेटे के हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए मां को देनी पड़ी जान

PHOTON NEWS DHANBAD: पुत्र की हत्या और उसपर पुलिस की उदासीनता से मर्माहत एक माँ ने शुक्रवार को एक पेड़ से फंदे के सहारे झुलकर अपनी जान दे दी। वहीं आक्रोशित लोगों ने न्याय की मांग को लेकर फंदे पर झूलती उस माँ के शव को 10 घंटे तक पुलिस को उतारने नहीं दिया। मामला धनबाद के गोबिंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित रंगडीह का है। घटना के संबंध में बताया गया कि डेढ़ माह पूर्व मृत महिला मीना देवी (50) का इकलौता पुत्र अमर गौस्वामी (20) का शव धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित बड़ाजमुआ में मिला था। शव के पास जलाने और शराब पीने का भी सब्रुत मिला था। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गला

दबाकर हत्या करने की बात कही

गई थी। जिसके बाद उसकी माँ ने

प्रेम प्रसंग में हत्या किए जाने का



आरोप लगाते हुए चार लोगों के खिलाफ हत्या का मामला बरवाअड्डा थाने में दर्ज कराया था, लेकिन लंबे समय तक उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई न होना और पुलिस की इस केस के प्रति बेरुखी से निराश मीना देवी मानसिक अवसाद में रहने लगी। जिसके बाद आज आखिरकार उन्होंने उसी अवसाद में खुदकुशी कर ली। वहीं आज की घटना से गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को 10 घण्टे तक फंदे से उतारने ही नहीं दिया। मौके पर मौजूद स्थानीय मुखिया गयासुद्दीन अंसारी ने पुलिस से मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की।

# KHUNTI: जिला के खूंटी-सिमडेगा मुख्य पथ पर एक यात्री बस ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार

दी। इस हादसे में बस में बैठे दर्जनों यात्री घायल हो गए। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए तोरपा और खंटी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हादसे में घायलों में अधिकतर लोग सिमडेगा जिला के निवासी हैं। इनमें 55 वर्षीय विनीता कुमारी, 29 वर्षीय वनिका केरकेटा, 42 वर्षीय सुषमा टेटे और 60 वर्षीय कैथरीना बोदरा सहित कई यात्री शामिल हैं। तोरपा थाना क्षेत्र के केतारी मोड़ के पास बस द्वारा

हुआ है।

धूमधाम से मनाया गया। विधायक रामदास सोरेन व बाबा विनय दास ने 109 दीपमाला प्रज्वलित की। जगदीश भकत ने 109 नारियल. लडू, पेड़ा, केला आदि का भोग लगाकर पजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में कीर्तन भी हुआ। इसे लेकर मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही थी। भक्तों ने बाबा विनय दास से आशीर्वाद भी मांगा। बाबा विनय दास द्वारा नवकुंज व राधा-कृष्ण मंदिर भी स्थापित किया गया है। विधायक रामदास सोरेन ने भी श्रद्धालुओं के साथ बैठकर प्रसाद

#### जयंती पर याद किए गए मजदूर नेता माडकल जॉन JAMSHEDPUR : टाटा वर्कर्स

यूनियन समेत शहर की कई नेता माइकल जॉन की जयंती शुक्रवार को मनाई गई। टिनप्लेट वर्कर्स यूनियन के सदस्यों ने बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन की कब्र पर श्रद्धाजंलि अर्पित की। कब्र पर मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया गया। यूनियन परिसर में भी श्रद्धांजलि सभा हुई, जिसमें दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर यूनियन के डिप्टी प्रेसिडेंट परविंदर सिंह सोहल, मुन्ना खान, ए. रमेश राव, साईं बाबू राजू, जगजीत सिंह, संजय कुमार सिंह, भूपेंद्र कुमार सिंह, राजकुमार सिंह, संग्राम किशोर दास, कलाम नबी खान, जयशंकर सिंह आदि

यनियनों के अध्यक्ष रहे मजदर

यौन उत्पीडन मामले में दोषी

RANCHI: नाबालिंग से यौन

उत्पीड़न के एक मामले में विशेष

कोर्ट ने शुक्रवार को पोक्सो एक्ट के

तहत विनोद लोहरा को दोषी माना

और उसे तीन साल कैद की सजा

सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उस पर 10

हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।

जमार्ने की राशि न देने पर उसे

अतिरिक्त सजा काटनी होगी। पीड़िता

के परिजन ने मांडर थाना में अप्रैल

2021 में अभियुक्त के खिलाफ

प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में

गवाही के दौरान अभियोजन की ओर

RANCHI: रांची के नामकुम

स्थित खरसीदाग ओपी पलिस ने

अपहृत विजय उरांव को कार के

साथ सकुशल बरामद करते हुए

पांच अपराधियों को गिरफ्तार

किया है। गिरफ्तार अपराधियों में

संजय कुमार महतो, सूरज

कमार,अभिराम महतो, अर्पित

शर्मा और अजय कुमार महतो

शामिल है। इनके पास से दो पीस

लोहे का रॉड, एक बांस का डंडा,

32 फीट लंबा रस्सी, एक

कल्हाडी और पांच पीस मोबाईल

फोन बरामद किया गया है। ग्रामीण

एसपी समित अग्रवाल ने शक्रवार

को पत्रकारों को बताया कि गत 27 नवंबर को धुर्वा थाना निवासी

अपहृत की पत्नी मुन्दरी टोप्पो ने

लिखित आवेदन दिया था कि

अज्ञात अपराधियों ने उनके पति

विजय लाल उरांव को वैगनआर

कार सहित अपहरण कर लिया है

और पांच लाख रुपये फिरौती मांग

रहे है। एसपी ने बताया कि मामले

की गंभीरता को देखते हुए

एफआईआर दर्ज करते हुए डीएसपी

मुख्यालय-1 के नेतृत्व में एक

छापेमारी टीम का गठन किया गया।

समिति का प्रतिनिधिमंडल

RANCHI: केंद्रीय सरना समिति

के केंद्रीय अध्यक्ष फुलचंद तिर्की

नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल धुर्वा

स्थित पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार

को डीजीपी अनुराग गुप्ता से

मिला। प्रतिनिधि मंडल ने डीजीपी

को पुष्प गुच्छ देकर शुभकामनाएं

और बधाई दी। मौके पर केंद्रीय

सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष

फूलचंद तिर्की ने कहा कि अनुराग गुप्ता को झारखंड सरकार के

जरिये फिर से डीजीपी बनाया

जाना खशी की बात है। उम्मीद करते हैं कि राज्य के आदिवासियों

के साथ न्याय होगा। इस मौके पर

केंद्रीय सरना समिति के महासचिव

संजय तिर्की, सचिव विनय उरांव

सहाय तिर्की, प्रमोद एक्का, पंचम

RANCHI: अनुराग गुप्ता ने

शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय

पहुंचकर झारखंड डीजीपी का

प्रभार ग्रहण किया। इस मौके पर

पदभार संभालने के बाद डीजीपी ने

कहा कि पुलिस की आंतरिक

व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर

होगा। उन्होंने कहा कि अपराध पर

अंकुश लगाना, विधि व्यवस्था

संधारण, आम लोगों में पुलिस के

प्रति विश्वास जगाना, पुलिस की

आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर

तिर्की सहित अन्य शामिल रहे।

अनुराग गुप्ता ने डीजीपी

का ग्रहण किया प्रभार

डीजीपी से मिला सरना

से ठोस गवाही दर्ज कराई गई थी।

अपहृत व्यक्ति सकुशल

बरामद, पांच गिरफ्तार

को तीन साल की सजा

PHOTON NEWS RANCHI:

सितंबर माह में रांची की

पीएमएलए कोर्ट ने आईएएस पूजा

सिंघल की जमानत याचिका

खारिज कर दी थी। इसके बाद

जमानत के लिए उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की

थी। इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई जस्टिस

संजय कमार द्विवेदी की एकल

पीठ में हुई। सुनवाई के क्रम में

अदालत ने ईडी के ट्रायल के

स्टेटस के बारे पूछा। इसके बाद

अदालत ने याचिका पर अगली

सुनवाई के लिए 13 दिसंबर की

तारीख तय की है। अदालत ने

सुनवाई करते हुए ईडी से जानना

चाहा कि केस के ट्रायल का

स्टेटस क्या है। इस मामले में अब

तक कितने गवाहों की गवाही परी

हो चुकी है। गवाही की प्रकिया

कब तक पूरी हो जाएगी। वहीं

प्रार्थी की ओर से अदालत को

बताया गया कि निलंबित आईएएस

पुजा सिंघल 26 महीने से जेल में

बंद है। ईडी ने मनरेगा घोटाले में

जांच की प्रक्रिया पूरी करने के बाद

अदालत में चार्जशीट दाखिल कर

दिया है। ईडी की ओर से निलंबित

आईएएस पूजा सिंघल सहित सात

के खिलाफ चार्जशीट दायर की है।

#### www.thephotonnews.com Saturday, 30 November 2024

26 महीने से जेल में बंद

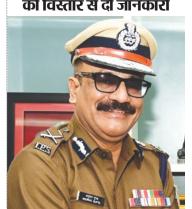
#### मामले की गहराई से तहकीकात करने में जुटी एसआईटी **O** BRIEF NEWS

# १०७ करोड़ की अवैध निकासी में बंगाल कनेक्शन आया सामने

झारखंड सरकार के महत्वपूर्ण उपक्रम पर्यटन विकास निगम लिमिटेड झारखंड, विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के खाते से लगभग 107 करोड़ रुपये गायब करने की साजिश का बंगाल कनेक्शन सामने आया है। मामले में गठित एसआईटी जांच में जुटी हुई है। करोड़ों की अवैध निकासी मामले की जांच कर रही एसआईटी को यह जानकारी मिली है कि पश्चिम बंगाल के हजारों सिम कार्ड का प्रयोग कर दर्जनों की संख्या में खाते खुलवाकर पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में अवैध निकासी के पैसे ट्रांसफर किए गए हैं। मामले की जांच कर रही एसआईटी ने अब तक 350 खातों में पड़े 47 करोड़, 20 लाख रुपये फ्रीज करवाया है। इस संबंध में झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि सरकारी पैसे की निकासी में बंगाल कनेक्शन सामने

# पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में ट्रांसफर किए गए हैं पैसे

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मामले की विस्तार से दी जानकारी



आया है। उसकी जांच की जा रही

है। अब तक की जांच में यह बात

सामने आई है कि ऊर्जा विभाग के

109 करोड़ रुपये की अवैध

निकासी मामले का मास्टरमाइंड

कोलकाता का रहने वाला है। उस

व्यक्ति ने अपने गर्गों, बैंक कर्मियों

बंगाल के संदिग्ध खाताधारियों की जांच अवैध निकासी मामले में बंगाल के संदिग्ध खाताधारियों और उनके झारखंड लिंक की जांच की जा रही है। सबसे ज्यादा पैसे बंगाल से जुडे खातों में हस्तांतरित किए गए हैं। जिन खाताधारी के नाम जांच के दौरान उजागर हुए हैं, उनमें से करीब 600 संदिग्ध हैं। एसआईटी की जांच में कई ऐसे खाताधारक भी मिले हैं जो छोटे-मोटे कारोबार से जुड़े हैं। सरकारी विभाग के खातों से अवैध निकासी मामले की जांच के लिए एसआईटी नेशनल साइबर अपराध रिर्पोटिंग पोर्टल की भी मदद ले रही है। इसमें साइबर अपराध थाना और विभिन्न बैंकों ने भी एसआईटी का सहयोग किया है। बता दें कि इस प्रकरण में 28 सितंबर को रांची के धुर्वा थाने में झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक वित्त ने एफआईआर दर्ज करवाई थी। सीआईडी ने इस केस को टेकओवर किया और सीआईडी ने 4 अक्टूबर को मामले में एफआईआर दर्ज करायी थी। इस प्रकरण की जांचे के लिए एटीएस के एसपी ऋषभ झा के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी ने अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

और कुछ सरकारी कर्मियों की मदद से घोटाले को अंजाम दिया है। एसआईटी की जांच में यह बात भी सामने आई है कि 109 करोड़ की अवैध निकासी के लिए लगभग 1200 खातों का इस्तेमाल किया गया था। खातों के लिए हजारों की

संख्या में सिम कार्ड का प्रयोग किया गया था। डीजीपी अनराग गुप्ता ने बताया कि अब तक इस मामले में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा फ्रीज किए गए हैं, जबकि सेंट्रल बैंक के एक मैनेजर सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कौन-कौन हुए अरेस्ट मामले में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें जेटीडीसी के तत्कालीन लेखपाल गिरिजा सिंह, केनरा बैंक हटिया के तत्कालीन शाखा प्रबंधक अमरजीत कुमार, साजिशकर्ता रूद्र उर्फ समीर, रांची के रहने वाले लोकेश्वर शाह, रांची के बिरसा चौक स्थित सेंट्रल बैंक के शाखा प्रबंधक लोलस लकड़ा और इलाहाबाद बैंक के अमर कुमार शामिल हैं। मामले में पुख्ता सबूत के बाद करीब 350 खातों में पड़े 47 करोड़ 20 लाख रुपये को फ्रीज करवायां गया है। इस केस में एक करोड 23 लाख रुपए नगदी और 17 लाख रुपए के जेवर अब तक बरामद किए गए हैं। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि मामला काफी बड़ा है और सरकारी पैसा किसी भी हाल में वापस लाना पुलिस की जिम्मेवारी है। इस मामले में सभी संदिग्ध पुलिस की रडार पर हैं। बंगाल कर्नेक्शन भी सामने आ चुका है और जल्द ही सभी आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे।

# है आईएएस पूजा सिघल 🕨 जमानत पर हाईकोर्ट में हुई

# सुनवाई, अदालत ने ईडी से पूछा– क्या है ट्रायल का स्टेटस

• 21 साल की उम्र में आईएएस बनी थीं पूजा • मई २०२२ में २० टिकानों पर मारा गया था छापा

जिनके खिलाफ चार्जशीट की गई है. उसमें पजा सिंघल, उनके पति अभिषेक झा, सीए सुमन सिंह, खुंटी जिला परिषद के तत्कालीन कनीय अभियंता राम विनोद सिन्हा, तत्कालीन सहायक अभियंता राजेंद्र जैन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता जय किशोर चौधरी, खुंटी विशेष प्रमंडल के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता

# रांची उपायुक्त का

#### **PHOTON NEWS RANCHI:** शुक्रवार को मंजुनाथ भजंत्री ने

उपायुक्त राँची का पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में वरुण रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे। मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मौके पर वरुण रंजन ने उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने काफी कम समय में विधानसभा आम निर्वाचन चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने एवं अन्य कार्यक्रमों में समन्वय के साथ कार्य संपादित किए जाने पर सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को धन्यवाद दिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी,



रांची मंजुनाथ भजंत्री ने कहा जिला योजनाओं धरातल पर उतारने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के स्तंभ पंचायत, प्रखंड अंचल कार्याल एवं पुलिस स्टेशन के पदाधिकारी व कर्मी ससमय कार्यालय आएं एवं संवेदनशीलता

#### सीएम चाहें तो 9 दिसंबर के पहले भी कर सकते हैं कैबिनेट विस्तार : राजेश

RANCHI: शुक्रवार को झारखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। अब जल्द ही कैबिनेट का विस्तार हो जाएगा। नौ दिसंबर से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में या मुख्यमंत्री चाहें तो उससे पहले भी कैबिनेट का विस्तार होगा। बता दें कि हेमंत सोरेन के झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अब सबकी नजर कैबिनेट विस्तार पर टिकी है। सीएम हेमंत सोरेन ने खुद कहा है कि एक-दो दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार हो जाएगा। सरकार मजबूती के साथ काम करेगी। ठाकुर ने कहा कि राज्य में प्रचंड बहुमत से हेमंत सोरेन की सरकार बनी है। सीएम हेमंत सोरेन का शपथ ग्रहण समारोह

# महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम में रहीं शामिल

# सलीमा व संगीता को डीआरएम ने किया सम्मानित

डीआरएम सह अध्यक्ष दक्षिण पूर्व रेलवे खेल संघ, रांची जसमीत सिंह बिंद्रा ने महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 की विजेता भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली कप्तान सलीमा टेटे और संगीता कुमारी को सम्मानित किया। रांची रेल मंडल की खिलाड़ी और भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में भारतीय टीम ने टुनार्मेंट में अपने सभी मैच जीते। वहीं फाइनल में चीन को हराकर ट्राफी पर कब्जा किया। रांची रेल मंडल की दो अन्य खिलाडी निक्की प्रधान और संगीता कुमारी भी भारतीय टीम का हिस्सा रही। डीआरएम ने दोनों खिलाड़ियों को महिला एशियाई हॉकी चैंपियनशिप 2024 की विजेता बनने पर बधाई देते हुए कहा कि रांची रेल



बहुत ही सराहनीय रहा। हम सभी रांची मंडल के रेलकर्मी अपने आप को मंडल क्रीड़ा अधिकारी रवि शंकर ने गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को बधाई और दोनों खिलाड़ियों को उनके उज्जवल शुभकामनाएं दी। इस दौरान डीआरएम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। के निजी सचिव(राजपत्रित) सह मौके पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य सहायक मण्डल क्रीडा अधिकारी प्रबंधक सह मंडल क्रीडा अधिकारी आशुतोष कुमार सिन्हा और सेरसा निशांत कुमार, मंडल वित्त प्रबंधक रांची के सचिव ओम प्रकाश ठाकुर (समन्वय) सह कोषाध्यक्ष दक्षिण पर्व

शुक्रवार को रांची रेल मंडल के 8 रेलकर्मी सेवानिवृत हो गए। इन सभी को सेवानिवृत्ति से संबंधित समस्त भुगतान सौंपा गया। मंडल के सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी आलोक कुमार राय ने सभी का स्वागत व सभा का संचालन किया अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मीना ने कहा कि आप सभी ने रेलवे में लंबा योगदान दिया है, यह अत्यंत सराहनीय है । आप सभी स्वस्थ और खुश रहे। अपने पैसे का सुरक्षितं निवेश करें, अपना पैसा सही जगह लगाएं। उन्होंने कहा कि आजकल साइबर फ्रॉड बहुत हो रहे हैं इससे सावधान रहें। सहायक मंडल लेखा अधिकारी राउतु कलौण्डिया ने कहा कि आपने अपना महत्वपूर्ण समय रेलवे को दिया है। अभी मिलने वाला पैसा आपके जीवन

८ रेलकर्मी सेवानिवृत्त

# आदिवासी मूलवासी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष सूरजं झामुमो में होंगे शामिल

## झारखंड विधानसभा चनाव में इंडी

गठबंधन को जनादेश मिलने के बाद शुक्रवार को आदिवासी मूलवासी मंच के सैकडों कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और उन्हें 51 किलो के फुल से बने माला को पहनाकर उनका सम्मान किया। इस दौरान आदिवासी मलवासी मंच के लोगों ने आदिवासियों के ज्वलंत मुद्दों पर भी चर्चा की। आदिवासी मुलवासी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने बताया कि वे एक सप्ताह के बाद झामुमो में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासी मुलवासियों के वोट से बहुमत की सरकार बनी है। झारखंड से पलायन को रोकने के लिए राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाये जाने की बात



रखी। उन्होंने कहा कि अंचल में कर्मचारी बिना पैसे लिए कोई काम नहीं करते हैं तो वैसे कर्मचारियों को चिन्हित कर कार्रवाई होनी चाहिए। कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डबलू मुंडा ने मुख्यमंत्री से झारखंड में जल, जंगल और जमीन के रक्षा की मांग की। राज्य के

आदिवासियों के हित में काम करने पर जोर देने की अपील की। सरना धर्म कोड देश में लाग कराने पर भी जोर दिया। डबलू मुंडा ने कहा कि तेजी से आदिवासियों की धार्मिक जमीन का हस्तांतरण हो रहा है। ऐसे में जमीन को चिन्हित कर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की।

#### झारखंड कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दी बधाई

RANCHI: झारखंड में हेमंत सरकार की शानदार वापसी पर कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएसन के अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई एवं शभकामनायें दी है। इस संबंध में शुक्रवार को एसोसिएसन के तरफ से हेमंत सोरेन को एक शुभकामना पत्र भेजा गया है। शभकामना पत्र में लिखा है कि संगठन की ओर से इस प्रचंड जीत के लिए आपको बहुत-बहुत बधाइयां एवं शभकामनायें। इस प्रकार से आपकी जीत में हमारे संगठन का पूरा सहयोग रहा है, उसी प्रकार हम भी आपसे उम्मीद करते हैं कि आपके दसरे कार्यकाल में संगठन को आपका परा सहयोग मिलेगा एवं हमारे स्थानीय संवेदक भाइयों को उनका उचित हक मिलेगा। मुख्यमंत्री आपकी इस दूसरी पारी के साथ हमारा संगठन भी आपके साथ दसरी पारी की शरूआत करने जा रहा है एवं स्थानीय संवेदकों के हक के लिए हमारी लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

# झारखंड को मिली एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी

झारखंड को जनवरी, 2025 में चार राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पधाओं के आयोजन की मेजबानी मिल गयी है। जनवरी, 2025 में यह प्रतियोगिताएं रांची के खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से दी गई। परिषद की ओर से बताया गया कि राज्य को एसजीएफआई की प्रतियोगिताओं की मेजबानी मिली है उनमें अंडर 19 और अंडर 14 बालक-बालिका वर्ग एथलेटिक्स. अंडर 19 बालक-बालिका वर्ग टेनिस, अंडर 14,17,19 बालक-बालिका वर्ग टैक साइकिलिंग और अंडर 19 बालक-बालिका वर्ग हॉकी प्रतियोगिता शामिल है।



अंडर 19 एथलेटिक्स का आयोजन 5 जनवरी से 8 जनवरी तक होगा। अंडर 14 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी से 14 जनवरी तक होगा। टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 17 जनवरी से 19 जनवरी तक होगा। ट्रैक साइकिलिंग का आयोजन 17 जनवरी से 20 जनवरी तक होगा। हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 23 जनवरी से 27 जनवरी तक होगा। उक्त प्रतियोगिताओं में देश के

विभिन्न राज्यों एवं संघों की 45 टीमें भाग लेंगी।एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता की मेजबानी को लेकर राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व में एसजीएफआई की कछ प्रतियोगिताएं नवंबर और दिसंबर 2024 में आयोजित की जानी थी। झारखंड में विधानसभा चुनाव को देखते हुए एसजीएफआई की प्रतियोगिताओ को स्थगित कर दिया गया था। राज्य में लाग आदर्श आचार संहिता को देखते हुए झारखंड को मिली मेजबानी स्थगित करने का फैसला लिया गया था। चुनाव संपन्न होने के बाद एसजीएफआई की ओर से नयी तिथियों के साथ झारखंड को खेल आयोजन की

### नई पहल : संस्थान के गोल्डेन जुबली बैच का 3 दिसंबर को होगा पुनर्मिलन

# रिम्स के डॉक्टर 'वॉक फॉर हार्ट' से देंगे फिट रहने का संदेश

रिम्स में न केवल मरीजों का इलाज होता है, बल्कि यहां से स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी बनकर निकलते हैं। ये सिलसिला पिछले कई सालों से चलता आ रहा है। अब रिम्स के पूर्व के स्टूडेंट्स का पुनर्मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 3 दिसंबर को 2024 ने 1974 बैच की गोल्डेन जुबली मनाई जाएगी। इतना ही नहीं, डॉक्टर बनने के 50 साल वाले गोल्डेन 25 साल वाले सिल्वर जुबली मनाएंगे। इसके अलावा वॉक फॉर हार्ट के माध्यम से फिट रहने का संदेश दिया जाएगा। साथ ही ये भी बताया जाएगा कि लोग कैसे स्वस्थ जीवन जी सकते है। बता दें कि इस कार्यक्रम में मुख्य

## यंग एज में हो रही मौत को लेकर भी किया जाएगा जागरूक लाइफ स्टाइल डिजीज को कंट्रोल करने का बताएंगे तरीका



मौजूद रहेंगे। वह आरएमसीएच के पहले बैच के शिक्षक रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ आरएमसीएच, रिम्स एल्युमिनाई के डॉ जेके मित्रा ने बताया कि रिम्स में पुनर्मिलन तो

जुबली का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम न केवल रांची और झारखंड के पूर्व स्टूडेंट्स के लिए, बल्कि देश और विदेश में कार्यरत इस संस्थान के सभी पूर्व स्टूडेंट्स

और उनके परिवार के लिए एक मिलन समारोह होगा। उन्होंने बताया कि ये एक दिन का कार्यक्रम होगा। इसमें संस्थान के संस्थापक और देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पुष्पांजलि अर्पित की

जाएगी। संस्थान के शिक्षकों और वरिष्ठजनों को सम्मानित किया जाएगा। स्टूडेंट्स को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे और आम जनता में स्वास्थ्य जागरूकता और संस्थान के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 1974 बैच के स्टूडेंट्स के लिए उनका नामांकन का स्वर्णिम वर्षगांठ है। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 6:30 बजे मोरहाबादी मैदान में स्वास्थ्य के लिए दौड़ से होगी। जिसके बाद रिम्स परिसर में पौधारोपण किया जाएगा। मौके आरा के सचिव डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ एम अखौरी, डॉ गोबिंद जी सहाय, डॉ प्रभात कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

#### पांच से आट दिसंबर तक रांची में होगा इनर इंजीनियरिंग प्रोग्राम

RANCHI: सदुरु द्वारा स्थापित ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर की ओर से राजधानी के सीएमपीडीआई स्वर्णरेखा हाल (स्टाफ कॉलेज बिल्डिंग के समीप ) में पांच से आठ दिसंबर तक चार दिवसीय इनर इंजीनियरिंग प्रोग्राम किया जाएगा। इसमें शांभवी महामुद्रा क्रिया का अभ्यास फाउंडेशन के प्रशिक्षित इशांगा द्वारा सद्गुरु की देखरेख में कराया जाएगा। शांभवी महामुद्रा एक बहुत ही शक्तिशाली अभ्यास है,जो हमारे जीवन में अच्छे स्वास्थ्य, स्पष्टता और आनंद की गहरी भावना स्थापित करने में अत्यंत सहायक होता है। यह पूरा अभ्यास महज 21 मिनट का होता है। यह हमारे पूरे शारीरिक और मानसिक प्रणाली को व्यवस्थित करता है, जिससे शरीर, मन, भावनाएं और ऊर्जा आपस में सद्भाव में कार्य करें।

# मंगल मुंडा की मौत पर बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार को घेरा

भगवान बिरसा मुंडा के परपोते की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी हेमंत सरकार और सिस्टम पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पर लिखा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा जी का असामयिक निधन अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद जिस तरह से उन्हें इलाज के लिए तड़पना पड़ा, वह हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता को दशार्ता है। इतनी नाजुक स्थिति में भी उन्हें समय पर ट्रामा सेंटर में बेड नहीं मिला। इलाज शुरू करने में 10 घंटे की देरी हुई। परिजनों को

?15,000 की दवाएं भी खुद

खरीदनी पड़ीं। अबुआ सरकार में

**PHOTON NEWS RANCHI:** 

 10 घंटे बाद किया गया था भर्ती, 15 हजार की दवाएं भी खरीदनी पडीं

मेजबानी सौंप दी गयी है।



एक गरीब आदिवासी की जिंदगी की कीमत आज बस इतनी ही रह गई है। यह केवल मंगल मुंडा जी की मौत नहीं, बल्कि व्यवस्था के द्वारा उनकी हत्या है। जिस झारखंड को बिरसा मुंडा के आदशों पर चलना चाहिए था, वहां उनके वंशज के साथ ऐसा व्यवहार होना हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर कर रख देता है।

## Saturday, 30 November 2024

## सरकार ने रखा था दो लाख रुपये का इनाम कुख्यात अपराधी सरोज राय

बिहार का कुख्यात अपराधी

हरियाणा में एसटीएफ से मुठभेड़

में मारा गया। एसटीएफ ने

कुख्ताय अपराधी सरोज राय का एनकाउंटर कर दिया। इसपर 2 लाख रुपये का इनाम था। कुख्यात की पहचान सरोज राय के रूप में हुई है, जो रुन्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के बतरौली गांव निवासी बालेश्वर राय का पत्र था। एसीपी वरुण दहिया ने बताया कि गुरुवार को मानसेर में हरियाणा और बिहार पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। सरोज राय पर सीतामढ़ी के शिवहर में हत्या, रंगदारी सहित 26 आपराधिक मामले दर्ज थे। सरोज पहले कुख्यात संतोष झा गिरोह के लिए काम करता था। हाल में इसने जदयू विधायक पंकज मिश्रा को जान से मारने की धमकी दी थी। इसकी शिकायत विधायक के सचिव ने पुलिस से की थी। इसके बाद एसटीएफ का गठन

गिरफ्तारी के लिए लगातार



छापेमारी की जा रही थी। 9 2015 को दवा व्यवसायी यतिंद्र खेतान की हत्या शहर के किरण चौक पर कर दी थी। व्यवासायी दुकान बंद कर अपने घर लौट रहा था। सरोज ने अपने साथियों के साथ मिलकर दवा व्यवसायी यतिंद्र खेतान की हत्या कर दी थी। पुलिस ने सरोज की गिरफ्तारी को लेकर एसटीएफ का गठन किया था। दिल्ली से गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने जेल भेज दिया था। जानकारी के अनुसार सरोज लगातार जेल से ही व्यवसायियों से रंगदारी वसूल करता था। इसको लेकर भी व्यवसायियों की शिकायत पर पलिस ने सरोज पर नगर थाने में

# का हरियाणा में एनकाउंटर

# वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दो दिवसीय दौरे पर पहुंचीं पटना

#### गांजा व कफ सीरप तस्कर को छह साल की सजा

ARARIYA : जिला व चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश रवि कुमार की अदालत ने आज 01 किलो 400 ग्राम गांजा व 33 बोतल कफ सीरप बरामदगी का मामला प्रमाणित होने पर जिले के जोकीहाट थाना क्षेत्र के मटियारी गांव का रहने वाला सोन् आलम पिता मो शमसल को विभिन्न धाराओं में 06 वर्ष सश्रम सहित कुल 01 लाख 30 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर आरोपित को 13 माह की अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी। यह सजा एनडीपीएस मुकदमा संख्या 14/20 में सुनाया गया है। अज्ञात वाहन की चपेट में

**BRIEF NEWS** 

# आकर दो भाइयों की मौत

BETHIA: पश्चिम चंपारण जिला स्थित सिसवा गांव के नजदीक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो चचेरे भाईयों की मौत हो गई। दोनों भाईयों का मामा बुरी तरह से जख्मी हो गया। मृत युवकों की पहचान पश्चिम चंपारण जिला के मैनाटांड़ थाना के सुखलही अहरवलिया गांव निवासी धनजंय कुमार व अजय कुमार के रूप में हुई है। घायल की पहचान सितवापुर गांव निवासी भोला राम के रूप में हुई है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनो युवको अस्पताल पहुचाया। जांच पड़ताल के बाद डॉक्टर ने दो को मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने दोनो युवकों को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया भेज दिया। पुलिस ने बताया कि गांव के लोगों द्वारा लगभग डेढ़ बजे के आसपास लाश को सड़क पर पड़े होने की जानकारी दी गई।घटनास्थल पर ही दोनो युवको की मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम के बाद लाश को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

#### रेणु झा बनीं जदयू महिला प्रदेश उपाध्यक्ष

SAHARSA: आगामी विस चुनाव के मद्देनजर सभी राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए नए लोगों को नए दायित्व सौपा गया है। इसी कड़ी में जनता दल यनाइटेड महिला प्रकोष्ठ का भी पुनर्गठन एवं संगठन विस्तार कर महत्वपर्ण दायित्व दिया गया है।जदयू महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भारती मेहता ने राज्य के सभी जिलों के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी में जझारू एवं कर्मठ कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंप गई है। इसी कड़ी में रेनू झा को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इनके मनोनयन पर जिला जदय कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

#### बांका में कुल्हाड़ी से काटकर वृद्ध की हत्या

BANKA: बिहार के बांका में दो व्यक्ति पर जानलेवा हमला किया गया। जिसमें एक वृद्ध की हत्या कुल्हाड़ी से काटकर कर दी गई। दूसरे व्यक्ति को बुरी तरह से जख्मी कर दिया गया, जिसने भागकर अपनी जान बचायी। यह घटना जिला के बेलहर थाना क्षेत्र के कौराजोर झुनका गांव के बीच हिरनीयांटाड़ की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात झाझा थाना क्षेत्र के बखोरीवधान गांव निवासी कारू यादव एवं फुलहरा गांव निवासी सिंघेश्वर कुमार यादव हिरनीयांटाड़ पर एक झोपड़ी में सोये हुए थे। अपने नव निमार्णाधीन मकान की रखवाली कर रहे थे।

# बिहार के 45 हजार युवाओं को 1300 करोड़ की मिलेगी सीगात

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2 दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंची। बिहार बीजेपी की ओर से पटना एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। वित्त मंत्री का पटना और दरभंगा में कार्यक्रम है। 45 हजार युवाओं को 1300 करोड़ की सौगात देंगी। इसके लिए पूर्वी क्षेत्र के 8 ग्रामीण बैंकों की वित्तीय स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक करेंगी। पटना के होटल ताज में होने वाली इस बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ ग्रामीण बैंकों को बुलाया गया है। जिसमें बिहार और ओडिशा के दो-दो झारखंड के एक और पश्चिम बंगाल के तीन ग्रामीण बैंक के अधिकारी इस शामिल होंगे। इस बैठक में ग्रामीण बैंकों में एनपीए की क्या स्थिति है? बैंकों द्वारा ग्राहकों को कितना ऋण दिया गया है, इसको लेकर समीक्षा की



बैंक के डिजिटलाइजेशन को लेकर भी चर्चा हो सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पटना में दरभंगा जाएंगी। 'उद्यमिता विकास प्रोत्साहन कार्यक्रम' में भाग लेंगी। जिसके माध्यम से 26 बैंकों द्वारा

उद्यमियों. आधारित उद्योगों और 45 हजार युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए 1300 करोड़ से अधिक का उद्घाटन करेंगी। दिव्यांगों महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना इसका उद्देश्य है। इसके साथ बैटरी चलित आटा चक्की ट्राईसाईकिल वितरण करेंगी। इस ट्राईसाईकिल चक्की के माध्यम से दिव्यांग घर–घर जाकर गेहूं सत्तू या मसाला की पिसाई कर सकेंगे। 10 दिव्यांग लाभार्थियों को ट्राई साइकिल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सक्षम

सक्षम जीविका योजना का करेगी उद्घाटन

किया गया है। ऋण वितरण कार्यक्रम के बाद निर्मला सीतारमण राज मैदान में ही एक जनसभा को भी संबोधित करेंगी। दरभंगा के सांसद गोपाल जी ठाकुर ने बताया कि वित्त मंत्री के दरभंगा कार्यक्रम को लेकर तैयारी परी है। दिव्यांगों के लिए टाईसाईकिल मोबाइल चक्की के 1000 यनिट तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। 1000 लोगों

को प्रतिमाह 5000 से 8000 रुपये की आए हो सकती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए लाभार्थियों को उरफ कार्यक्रम के बैंक माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। दरभंगा में कार्यक्रम के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मधबनी के झंझारपर में स्थित मिथिलाहट में रात्रि विश्राम करेंगी।

चक्की भेंट करेंगी। सक्षम मिथिला एप

का लोकार्पण भी करेंगी। इस ऐप के

माध्यम से न केवल पूरे मिथिला की

जानकारी मिलेगी, बल्कि दिव्यांगों के

बीच वितरित ट्राई साइकिल चक्की का

लोकेशन भी लोग ढूंढ सकेंगे। इस

ऐप के माध्यम से इन लोगों को अपने

घरेलू उपयोग घर बैठ कर सकते हैं।

घर पर बुलाकर मोबाइल चक्की का

इस ऐप को मिथिला स्टैक के द्वारा

डेवलप किया गया है।

# मतदान केंद्र पर बवाल, लोजपा के जिला अध्यक्ष सहित तीन अरेस्ट

नवादा जिले के आती गांव के बुथ पर पैक्स चुनाव के दौरान शुक्रवार को बवाल हो गया है। जिसमें पुलिस ने लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। आरोप है कि मनोज कुमार के द्वारा वोटिंग के दौरान गलत तरीका से वोटिंग करवाने की कोशिश की गई। जिसके कारण ही यहां पर माहौल बिगड़ गया था। जानकारी मिलते ही तमाम पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचकर तुरंत ही मामला को शांत करवा दिया है और माहौल बिगड़ने की आरोप में रामविलास लोजपा के जिला अध्यक्ष सहित तीन लोगों को हिरासत में लेकर कादिरगंज के थाना में रखा गया है। बता दें कि जिला प्रशासन की ओर से शांति मैं पूरी तरह मतदान

**AGENCY PATNA:** 

पटना में भारतीय डाक विभाग की

ओर से आयोजित तीन दिवसीय

बिहार डाक टिकट प्रदर्शनी के

दूसरे दिन शुक्रवार को प्रदेश के

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार

ने डाक विभाग के द्वारा दी जाने

वाली सुविधाओं के लिए पूरे

विभाग को धन्यवाद दिया। उन्होंने

समाज के विकास के लिए किये

जाने वाले इस प्रकार के प्रदर्शनी

की जम कर तारीफ की । मंत्री

श्रवण कुमार ने कहा कि वे

डाकघर से बहुत करीब से जुड़े

हुए है एवं इसकी सुविधाए वास्तव

में इस प्रकार लगती है कि किसी

कार्यालय के द्वारा नहीं बल्कि घर



कराया जा रहा है। गांव के स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि किसी व्यक्ति की पहचान पत्र में फोटो और पिता का नाम नहीं मिल रहा था और इसी को लेकर बवाल हुआ और फिर पुलिस के द्वारा इस पूरे मामला में एक्शन ली गई और मामला को शांत किया गया है। हालांकि स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि कादिरगंज थाना को फोन किया गया था लेकिन उनके द्वारा समय पर फोन

की सुविधाये है। मंत्री ने कहा कि

यदि किसी भी नेक कार्य को मन

से किया जाये तो सफलता जरुर

मिलती है। विलीन होती

परम्पराओं को पुनः जीवित करने

के लगातार पहल के लिए उन्होंने

डाक विभाग की सराहन की ।

मंत्री ने कहा कि हमें अपने कला

को निखारने के लिए बहुत

परिश्रम करना चाहिए। कंप्यूटर

एवं मोबाइल का प्रयोग केवल

आवश्यकता पर ही करना

चाहिए। उन्हें अपने कला पर

कभी हावी नहीं होने देना चाहिए।

उन्होंने यह भी इच्छा जारी की कि

विभाग नालंदा के गिलास ब्रिज पर

डाकघर की सुविधाएं घर

के समान : श्रवण कुमार

शांत कराया है। जब इस मामले पर कादिरगंज थाना प्रभारी के हमने जानने की यह कोशिश की गई कि आपके क्षेत्र में क्या हुआ है तो उनके द्वारा किसी भी प्रकार का कोई जानकारी नहीं दिया गया है। फिर तुरंत इस मामले में एसडीओ अखिलेश कुमार ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। बलवा को शांत कराकर मतदान करा लिया गया।

# फजी हस्ताक्षर व मुहर

लगाकर विभाग को

लगाया करोड़ों का चूना

PURNIYA : पूर्णिया के सदर थाना क्षेत्र स्थित गुलाब बाग मंडी एक बार फिर सर्खियों में है। दरअसल. सौरव जायसवाल नामक गुलाब बाग निवासी ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी पार्थ गुप्ता का जाली हस्ताक्षर करते हुए गुलाब बाग मंडी के 10 दुकानों का आवंटन कर दिया। सौरव ने दुकान के लाभुकों को जो पत्र सौंपा है, उसमें अनुमंडल पदाधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर तो हैं ही, साथ ही साथ कार्यालय का मुहर भी लगा हुआ है। जब इसकी जानकारी हुई अजीब तरह की हलचल सी मच गई। बताया जाता है कि, पूर्णिया की गुलाब बाग मंडी के लहसुन पट्टी में नटवरलाल सौरभ जायसवाल के द्वारा 10 लाभुकों को 10 दुकान का फर्जी आवंटन किया गया। सौरभ के साथ-साथ इस फजीर्वाड़े में स्थानीय दर्जनों लोग शामिल हैं। मामला तब प्रकाश में आया जब लोग लहसुन पट्टी पहुंचकर दुकानों का शटर खोलने गए।

#### से कटकर मौत KHAGARIA : बिहार के खगड़िया जिले में रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे दो मजदुरों की ट्रेन

रेल ट्रैक पर काम कर

रहे दो मजदूरों की ट्रेन

**AGENCY BETHIA:** बिहार में दो महीने बाद आसिफ की चपेट में आने से मौत हो गई, हत्याकांड का खुलासा हुआ है। जबिक एक की हालत गंभीर बताई मामला बेतिया का है। 30 सितंबर जा रही है। दुर्घटना खगड़िया जिले को सिरसिया थाने की पुलिस को के गौछारी स्टेशन और महेशखूंट जिनवलिया में सड़क के किनारे से के बीच हुई। इस मामले में ठेकेदार एक अज्ञात युवक का अधजला की बड़ी गलती सामने आई है। शव मिला था। पोस्टमार्टम कराने बताया जाता है कि शुक्रवार सुबह के बाद शव को दफना दिया गया बरौनी-कटिहार रेलखंड के था।अब इस मामले में पुलिस को महेशखुंट के खटहा रेलवे ढाला बड़ी सफलता हाथ लगी है। बेतिया के पास ट्रैक पर तीन मजदूर काम एसपी डॉ। शौर्य सुमन ने बताया कर रहे थे। इसी दौरान सुबह 10 कि आसिफ हत्याकांड मामले में बजकर 15 मिनट पर सामने से प्रेमिका के पिता की गिरफ्तारी लोहित एक्सप्रेस आ गई। रेलवे करते हुए चार नाबालिग को ट्रैक पर काम कर रहे मजदूर कुछ हिरासत में लिया है। प्रेमिका के समझ पाते, सामने से आ रही पिता ने ही पकड़े गए विधि विरुद्ध लोहित एक्सप्रेस से कटकर दो किशोर को आसिफ की हत्या की मजदूरों की मौत हो गई, जबकि सुपारी दी थी। एसपी ने बताया कि एक मजदुर घायल है, जिसे आसिफ का उनकी बेटी से प्रेम खगड़िया के अस्पताल में भर्ती प्रसंग चल रहा था। एसपी ने बताया कि सपारी मिलने के बाद



29 सितंबर को आरोपित किशोर ने आसिफ को षड्यंत्र के तहत बस स्टैंड के समीप स्थित प्रेमिका के कमरे पर बुलाया। उसकी प्रेमिका अकेली रहती थी। यहां पहले से ही अन्य लोग मौजूद थे। सबने मिलकर आसिफ को पकड़ा और गला दबाकर हत्या कर दी। फिर बाइक से शव को सिरसिया थाना क्षेत्र जिनवलिया के समीप झाड़ी में ले

की नीयत से शव को जला भी दिया था। बता दें कि 21 अक्टूबर 2024 को नगर थाने में मृतक आसिफ के पिता अनवर हुसैन ने अपने बेटे की गुमसुदगी का आवेदन दिया था। मृतक के पिता अनवर हुसैन ने बताया कि उनका बेटा 10 दिन से घर से लापता है, लेकिन काफी खोजबीन करने के बाद भी वह नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने 21 अक्टूबर को थाने में

# विधान परिषद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, सत्र में पांच बिल पारित

**AGENCY PATNA:** 

बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान शुक्रवार को पांचवें दिन विधान परिषद की कार्यवाही दोपहर बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सदन को बताया कि वर्तमान सत्र में पांच विधेयक पारित किए गए हैं। इसमें बिहार माल और सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2024, बेतिया राज की संपत्तियों को निहित करने बाला विधेयक, 2024, बिहार सरकारी परिसर (आवंटन, किराया, वसली एवं बेदखली) (संशोधन) विधेयक, 2024, बिहार खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2024, बिहार विनियोग (संख्या-4) विधेयक, 2024 शामिल हैं। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सदन को बताया कि परिषद के 208वें सत्र में कुल पांच बैठकें आयोजित हुईं। इस सत्र के लिए ध्यानाकर्षण की कुल 64



सूचनाएं प्राप्त हुई। 30 ध्यानाकर्षण सूचनाएं सदन के कार्यक्रम पर लाए जाने के लिए स्वीकृत हुईं। 19 सूचनाएं उत्तरित हुई, शेष 2 सूचनाएं व्यपगत हुईं। सदन में 9 सूचनाएं प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति के विचारार्थ सुपुर्द किए गए। शून्यकाल के दौरान 43 सूचनाएं प्राप्त हुईं जिनमें 35 सूचनाओं के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट किया गया एवं 8 सूचना अस्वीकृत की गई। इसके अलावा 57 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें 53 सूचनाएं स्वीकृत और 4 सूचनाएं अस्वीकृत हुईं। सभी

स्वीकृत 53 निवेदनों को सदन की सहमति से निवेदन समिति को सुपुर्द किया गया। सभापति सिंह ने बताया कि इस सत्र में नेशनल ई-विधान (नेवा) के माध्यम से सदस्यों ने 331 तारांकित प्रश्न एवं ८८ अल्पसूचित प्रश्न दिए गए तथा इसके माध्यम से कुल 300 तारांकित एवं अल्पसूचित प्रश्नों के उत्तर प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान सदस्यों ने अपने संसदीय दायित्वों का निर्वहन करते हए जनसामान्य की समस्याओं के समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता

सड़क पर तड़प रहे दो युवकों को चिराग पासवान ने गाडी रुकवाकर पहुंचाया अस्पताल

PATNA: लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने पटना से दरभंगा जाते वक्त सड़क हादसे में घायल दो युवकों की मदद की। चिराग जब हाजीपुर के पास एनएच 22 से गुजर रहे थे तभी उन्होंने दो युवकों को तड़पता देखा। दोनों गंभीर रूप से घायल थे। चिराग ने अपना काफिला रोककर दोनों युवकों को अपनी गाड़ी से हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया। दोनों यवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान घायल युवकों को देखकर खुद अपनी गाड़ी से उतरकर दोनों के पास गए। उन्होंने दोनों युवकों को अपनी गाड़ी में बिठाया और हाजीपुर सदर अस्पताल ले आये। चिराग ने खुद घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घायल युवकों की पहचान मोहम्मद इजाज और मोहम्मद दुलारे के रूप में हुई है। सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि दोनों युवक की

# पुण्यतिथि : नालंदा के हरनौत पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, अपने पिता को याद कर हुए भावुक, बोले-

भी डाक टिकट जारी करे।

# माता-पिता से बढ़कर कोई नहीं, करें इनका सम्मान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता रामलखन सिंह की 46वीं पुण्यतिथि पर नालंदा पहुंचे। उन्होंने भावुकता के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के पैतृक गांव नालंदा के हरनौत प्रखंड अंतर्गत कल्याण विगहा गांव के वैधराज रामलखन सिंह स्मृति वाटिका में आयोजित किया गया था। जहां उनका पैतृक घर भी स्थित है। नीतीश कुमार ने सबसे पहले अपने गांव के देवीस्थान में पूजा-अर्चना की। उन्होंने देवी-देवताओं को फल और मिठाई से भोग लगाया। जो उनकी परंपरागत धार्मिक भावना का प्रतीक था। उसके



बाद वे अपने बेटे निशांत कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ स्मृति वाटिका पहुंचे। स्मृति वाटिका में पहुंचकर

प्रतिमा पर पुष्प अर्पित की। यह क्षण उनके लिए बेहद भावुक था। जो चेहरे पर झलक रहा था। उन्होंने न केवल अपने नीतीश कुमार ने अपने पिता की पिता को याद किया, बल्कि

अपनी माता परमेश्वरी देवी और पत्नी मंजू सिन्हा को याद कर पुष्प अर्पित की। बता दें कि राजनीतिक और सामाजिक परिवेश में सक्रिय रहे रामलखन सिंह अपने समय के

जीवन और संघर्ष आज भी उनके परिवार और समाज के लिए प्रेरित कर देने वाला है। वे अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध वैद्य थे। नीतीश कुमार ने अपने पिता की विरासत को जीवंत रखने का अथक प्रयास किया है। इस खास मौके पर मंत्री जमा खान, विधान पार्षद संजय गांधी, ललन सर्राफ, राष्ट्रीय महासचिव ई. सुनील, बिहारशरीफ महानगर अध्यक्ष गुलरेज अंसारी, मुख्य प्रवक्ता डॉ। धनंजय कु दिव, रंजीत कुमार, देवन प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार आदी मौजूद थे। स्थानीय ग्रामीण और परिवार के सदस्यों की उपस्थिति ने इस श्रद्धांजलि समारोह को और भी अधिक महत्वपूर्ण बना दिया।

#### चिराग के कारण अंतिम समय में बड़े भाई को नहीं देख पाया : पशुपति पारस

PATNA : पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने अपने भतीजे चिराग पासवान पर आपतिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, इसके कारण बड़े भाई को अंतिम समय में नहीं देख पाया। कोरोना की वजह बताकर मुझे और मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को बड़े भाई साहब से मिलने नहीं दिया गया। जबिक अंतिम समय में बड़े भाई रामविलास पासवान परिवार के सभी लोगों को खोज रहे थे। जो जैसा करेगा, वैसा फल मिलेगा। चिराग पासवान ने गुरुवार को पार्टी के स्थापना दिवस पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा था, ह्यवह हमारे घर के बड़े-बुजुर्ग हैं। अलग होने का फैसला उन्होंने अकेले ही लिया था, मेरी मां से हर रिश्ते को तोड़ने का फैसला भी उन्होंने किया। भविष्य में साथ आना है या नहीं, यह फैसला भी उन्हीं का होगा।

# विधानसभा की पोर्टिको में विपक्ष ने किया हंगामा

बिहार विधानमंडल में शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन विधानसभा के बाहर सदन के अंदर जाने से पूर्व विपक्ष के विधायकों ने सदन पोर्टिको में जमकर हंगामा किया है। विपक्षी विधायक ने कई मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। राजद के विधायक रोजगार, जमीन, स्मार्ट मीटर समेत कई मुद्दों को लेकर सदन के बाहर हंगामा कर रहे हैं, उनका कहना है कि एनडीए सरकार कभी भी रोजगार पर बात नहीं करती है। बिहार में नौकरी का मतलब तेजस्वी यादव है। इसके साथ ही यह सरकार लूटेरों कि सरकार है यह सिर्फ लोगों कि जमीन पर अधिग्रहण करने जा रही है। आज गैर सरकारी संकल्प पर भी चर्चा



होगी। इसके अलावा कई विभागों के प्रश्नों का भी सरकार की ओर से उत्तर दिया जाएगा। आज प्रश्न काल में ऊर्जा विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, पर्यटन विभाग, योजना एवं विकास विभाग, संसदीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग और विधि विभाग से संबंधित प्रश्न सदन में लाये जाएंगे। इसके बाद प्रश्न काल के बाद शुन्य काल होगा और उसमें भी सदस्य तात्कालिक विषयों को सरकार के संज्ञान में लाएंगे।

# • भूमि एवं तैयारी- अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बीनक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है।

आयामोसम गाउरका

मेदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किरमें अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं।बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है।ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों
- बीज एवं ब्वार्ड / समय- मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की
- बीज दर बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया ७ से ८ कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है। किस्में- पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा
- यमदिग्न, चेन्टनी, नेन्टस बीजोपचार- गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1
- ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये। बुवाई विधि- गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी

चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये।

बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी

पैदावार देने में सहायक होती है। • खाद एवं उर्वरक- सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद

- यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- सिंचाई- बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- निंदाई-गुड़ाई- गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंत् अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुँड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- खुदाई- जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- पैदावार- एशियाइ किस्मों की पैदावार यूरोपियन किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो



# सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं।दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं।हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं।चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकड्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि

- किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई** बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- इसके अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो



इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं

- जलवायु इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- काश्त इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी
- बीज प्रक्रिया- ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले ( छह से आठ घंटे पहले ) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए
- सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- खाद- ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- सिंचाई ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई
- कटाई- जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।



जलवायु - यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते

**भूमि एवं खेत की तैयारी**- पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां

तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

#### उन्नत किरमें

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन। **खाद एवं उर्वरक**- बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलों नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खडी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या अधिक कटाई होने पर प्रत्येक दो कटाइयों के बाद दें।

बुवाई एवं बीज की मात्रा- एक हेक्टेयर खेत की

बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बवाई के कछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई- बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

कटाई एवं उपज- पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

# ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है । इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में – इसकी दो प्रचलित किस्में हैं – छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ों किस्में के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं । बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं । छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है । बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु – इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है । वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी

भूमि एवं खेत की तैयारी— साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो । वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है । सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए । हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि – बीजों से लगाने पर फल भी 1–2 वर्ष बाद आते हैं । अत : ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2–3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि– प्रथम विधि– दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं । जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग–अलग करने का समय फरवरी–मार्च व जून–जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने

द्वितीय विधि– इस विधि में मादा पौधों से 2–3 माह पुरानी बेल से 30–40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60–80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें । इसके बाद उन्हें मिट्टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है ।

खाद–उर्वरक एवं रोपाई– प्रत्येक क्यारी में 30–40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें।बाद में मार्च–अप्रैल में 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें । 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें । इनमें पौधों का केंद्रों को लगाएं । 4–5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है । फल बनते समय पुन : 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए । ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है । अत : इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3–4 किलो गोबर खाद तथा 20–30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई – ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6 – 10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।



#### परेशान किसान और असुरक्षित फसलें लोकतंत्र और इस्लामी मूल्यों के खिलाफ है वैश्विक खिलाफत ज भारत अपनी कृषि नीति के एक ऐसे ANALYSIS

# की अवधारणा

वैश्विक खिलाफत की काल्पनिक अवधारणा उसी प्रकार गैर वाजिब है, जैसे पुरातनपंथी हिंदु राष्ट्र की अवधारणा। यह दोनों अवधारणा काल्पनिक है और आधुनिक लोकतांत्रिक विश्व में इसका कोई स्थान नहीं है। दरअसल, आज इस बात की चर्चा इसलिए जरूरी है कि दुनिया के कछ इस्लामिक चरमपंथियों ने एक बार फिर वैश्विक खिलाफत की बात प्रारंभ की है। विगत कुछ वर्षों में भारत सहित दक्षिण एशिया के कई देशों में इस विचार से प्रेरित युवकों को असामाजिक व गैर राष्ट्रवादी गतिविधियों में संलिप्त देखा गया। हाल के वर्षों में हिज्ब उत-तहरीर की गतिविधियों को लेकर भारत में चिंता बढ़ी है। पहले तो हमें हिज्ब उत-तहरीर को समझना होगा। यह एक अंतरराष्ट्रीय इस्लामिक संगठन है, जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत को पुनर्स्थापित करना है। इसका नाम अरबी में हिज्ब-उत-तहरीर है, जिसका अर्थ है- मुक्ति की पार्टी। वर्ष 1953 में एक फिलिस्तीनी इस्लामिक चरमपंथी उकीउद्दीन नबहानी ने जेरूसलम में इसकी स्थापना की थी। हिज्ब-उत-तहरीर का दावा है कि वह राजनीतिक, बौद्धिक और वैचारिक तरीकों से काम करता है और हिंसा में कोई विश्वास नहीं करता, लेकिन इसके कार्यकर्ता दुनिया के लगभग 50 देशों में हिंसक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं। यहां तक कि कई इस्लामिक देशों में भी यह संगठन वहां की सत्ता के लिए चनौती बना हुआ है। संगठन का मानना है कि मसलमानों को एक खलीफा के नेतत्व में एकजट होना चाहिए. जो शरियत कानून के अनुसार शासन करे। इसका मुख्य उद्देश्य एक वैश्विक इस्लामी खिलाफत की स्थापना है, जो मसलमानों की राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को इस्लामी सिद्धांतों के अनसार नियंत्रित करे। वस्ततः इस संगठन का दावा और हकीकत दोनों एक दसरे के विपरीत हैं। यरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के मुताबिक, ये संगठन गैर सैन्य तरीकों से खिलाफत की पनर्स्थापना पर काम करता है। इसलिए कई देश, इस संगठन पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। हिज्ब-उत-तहरीर पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों में बांग्लादेश और चीन के अलावा जर्मनी, रूस, इंडोनेशिया, लेबनान, यमन, तुर्की और संयुक?त अरब अमीरात शामिल हैं। दुनिया के अन्य कई देश इस संगठन की निगरानी कर रहे हैं, क्योंकि वहां की राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी यह चनौती पैदा करने लगा है। इसके बावजूद, यह संगठन दुनिया के 50 से अधिक देशों में सिक्रय है। 10 लाख से अधिक इसके सिक्रय सदस्यों की संख्या बताई जाती है। हिज्ब-उत-तहरीर का भारत में बहुत व्यापक आधार नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इसके प्रभाव और गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है। हिज्ब-उत-तहरीर का मुख्य उद्देश्य इस्लामिक खिलाफत स्थापित करना है, जो भारत के संविधान और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। हिज्ब-उत-तहरीर ने भारत में बहुत अधिक खुले तौर पर गतिविधियां नहीं की हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह गुप्त रूप से भारत में सिक्रय है। संगठन के सदस्यों पर भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और खिलाफत की विचारधारा का आरोप लगा है। भारत में सुरक्षा एजेंसियां इस संगठन पर नजर रखी है और इसके संभावित नेटवर्क को रोकने के प्रयास करती है। इस क्रम में भारत सरकार ने हाल ही में इस कट्टरपंथी समूह को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इस पर प्रतिबंध के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर का लक्ष्य लोकतांत्रिक सरकार को जिहाद के माध्यम से हटाकर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक देश और खिलाफत स्थापित करना है। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा है कि हिज्ब-उत-तहरीर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर हिज्ब-उत-तहरीर को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने के साथ यह समझना महत्वपर्ण है कि न केवल इसकी गतिविधियां भारतीय कानून के तहत अवैध हैं, बल्कि यह मूल इस्लामिक सिद्धांतों के खिलाफ भी है। इससे भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए दोहरी द्विधा पैदा होती है। भारत का संविधान धर्म और राज्य के मामलों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखते हुए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को सनिश्चित करता है। यह अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतंत्र. मतदान और मौलिक अधिकारों को सनिश्चित करता है। हिज्ब-उत-तहरीर के सदस्यों की हरकतें, जिनमें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी के खिलाफ प्रचार करना, संविधान को चनौती देना और शरिया कानून द्वारा शासित वैकल्पिक राज्यों को बढ़ावा देना शामिल है, जो अंततोगत्वा देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को खतरे में डालेगा। लोकतंत्र के प्रति हिज्ब-उत-तहरीर का वैचारिक विरोध खद को उन मल सिद्धांतों के खिलाफ खडा करता है, जिन्होंने मुसलमानों सहित विभिन्न समुदायों को भारत में शांतिपूर्वक सहअस्तित्व की अनमित दी है। संविधान विरोधी गतिविधियों को बढावा देकर संगठन न केवल मसलमानों और बहसंख्यक समाज के बीच दरार पैदा करता है, बल्कि अलगाववादी रवैये को भी बढावा देता है, जो इस्लाम के सामाजिक सामंजस्य सिद्धांत के



🗷 डॉ. ममतामयी प्रियदर्शिनी

जीएम मक्का के पैरोकारों के अनुसार, जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलें अपने देश की खाद्य सुरक्षा और कृषि चुनौतियों को बेहतर तरीके से हल कर सकती हैं। सतही तौर पर यह आकर्षक लग सकता है, लेकिन गहराई से आकलन किया जाए तो ये तस्वीर उतनी लुभावनी नहीं है जैसी दिख रही है। पूरे विश्व में वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जीएम मक्के के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कल, मुझे चौंकाने वाली खबर पढ़ने को मिली, जिसमें बताया गया था कि जीएम फ्री इंडिया नामक संस्था के पर्यावरण कार्यकताओं ने तमिलनाडु में जीएम मक्का की अवैध खेती और देशभर में प्रोसेस्ड और अनप्रोसेस्ड मक्का उत्पादों में इसकी मौजूदगी को लेकर चिंता जताई है। उनका यह दावा नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फूड्स टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट द्वारा किए गए रिसर्च पर आधारित है। साइंस डायरेक्ट नामक प्रतिष्टित पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में एटीआर-एफटीआईआर और पीसीआर-आधारित विधियों का उपयोग कर मक्के में जीएम मक्का के अंश का पता लगाया गया।

महत्वपर्ण मोड पर खड़ा है, जहां हमारे नीति-निमार्ताओं पर जीएम मक्का के पैरोकारों द्वारा प्लेटफार्म के जरिए जीएम (जेनेटिकली मॉडिफाइड) मक्का को अपनाने का निरंतर दबाव डाला जा रहा है। जीएम मक्का के पैरोकारों के अनुसार, जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलें अपने देश की खाद्य सुरक्षा और कृषि चुनौतियों को बेहतर तरीके से हल कर सकती हैं। सतही तौर पर यह आकर्षक लग सकता है, लेकिन गहराई से आकलन किया जाए तो ये तस्वीर उतनी लुभावनी नहीं है जैसी दिख रही है। पूरे वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जीएम मक्के के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कल, मुझे चौंकाने वाली खबर पढ़ने को मिली, जिसमें बताया गया था कि जीएम फ्री इंडिया नामक संस्था के पर्यावरण कार्यकताओं ने तमिलनाड में जीएम मक्का की अवैध खेती और देशभर में प्रोसेस्ड और अनप्रोसेस्ड मक्का

साइंस डायरेक्ट नामक प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में एटीआर-एफटीआईआर और पीसीआर-आधारित विधियों का उपयोग कर मक्के में जीएम मक्का के अंश का पता लगाया गया। शोध में यह पाया गया कि उनके द्वारा परीक्षण किए गए 15% से अधिक नमुनों में

उत्पादों में इसकी मौजूदगी को

लेकर चिंता जताई है। उनका यह

दावा नेशनल इंस्टीट्यूट आफ

एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट द्वारा

किए गए रिसर्च पर आधारित है।

टेक्नोलॉजी,



उनमें से लगभग 20% नमुनों में जीएम मक्का के कार्यात्मक विशेषताएं मौजूद थीं। भारत में जीएम फसलों पर सख्त नियामक प्रतिबंधों के बावजूद, ऐसी खबरें ये दशार्ती हैं कि भारत में भी चोरी-छिपे जीएम फसलों का धड़ल्ले से प्रवेश हो रहा है। अब इसका कारण चाहे अवैध रूप से जीएम मक्के का आयात हो या प्रयोगात्मक परीक्षणों में लीक हो, दोनों सुरतों में जीएम मक्के का भारत के बाजार में ऐसे प्रवेश एक जबरदस्त खतरे की कई कार्यकताओं और जीएम फ्री इंडिया जैसे संगठनों ने इस विषय पर गंभीर चिंता व्यक्त की है तथा इसे हमारे देश के लिए एक गंभीर नियामक चक बताया है। हमें ये समझना पड़ेगा कि यह सिर्फ नियम तोड़ने का ही मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे नागरिकों के स्वास्थ्य, किसानों के भविष्य और हमारी पारिस्थितिकी और भमि की उर्वरता के लिए एक खिलवाड़ जैसा है जिसका खामियाजा हमारी कई पीढ़ियों को भुगतना पड़ सकता है। इसके अलावा जीएम मक्का की शुरूआत भारत की विविध स्वदेशी मक्का किस्मों के लिए खतरे का कारण बनती है,

संदुषण का जोखिम उत्पन्न होता है। इससे अनुवांशिक विविधता में कमी आएगी, जिससे फसलें जलवायु परिवर्तन और बीमारियों के प्रति कम लचीली होंगी। इस घटनाक्रम में सबके लिए एक सीख है और अब ये जरूरत है कि भारत की कृषि विरासत और खाद्य प्रणालियों की रक्षा के लिए जीएम मक्का के विज्ञान-आधारित नीतियों को और प्रभावी बनाये जिससे भविष्य में इस तरह की स्थिति ना पैदा हो। भारत कृषि प्रधान देश है, जहां कृषि अधिकांशतः छोटे और सीमांत किसानों पर निर्भर है। हमारे देश में मक्के की ऐसी कई देशज किस्में उपजाई जाती हैं, जिसके लिए परंपरागत तरीके का उपयोग करते हैं और उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर निर्भर नहीं रहना होता। पर्यावरणविद ऐसी आशंका जता रहे हैं कि जीएम मक्के के आने यह संतुलन बिगड़ जाएगा, क्योंकि जीएम फसलें विदेशी कंपनियों द्वारा पेटेंट की गए बीजों पर निर्भर हैं। अगर किसान जीएम मक्का उपजाने लगे तो उन्हें को हर साल इन्हीं गिनी चुनी कंपनियों से महंगे बीज खरीदने के मजबूर होना पड़ेगा जिससे उनकी कृषि लागत बढ़ने के साथ-साथ उनकी इन कंपनियों

अपनी आर्थिक उन्नति का जरिया समझ रहें हैं वो बेचारे ऐसी स्थिति में कहां जाएंगे, ये शोचनीय विषय है। जीएम मक्का के गुणों की बात की जाए तो इसे जेनेटिक रूप से ऐसे संशोधित किया जाता है जो इन्हें कीटनाशकों और हर्बिसाइड्स, जैसे ग्लाइफोसेट, के प्रति सहिष्णु बनाता है। हालांकि इन तकनीकों से कीट और खरपतवार नियंत्रण का दावा तो किया जाता है. लेकिन इससे स्वास्थ्य संबंधी रोगों और पर्यावरणीय जोखिम की संभावना बढ़ जाती है। कई अध्ययनों ने जीएम फसलों को एलर्जी, पर्यावरणीय असंतुलन और कैंसर जैसी बीमारियों से जोड़ा है। ग्लाइफोसेट का उपयोग माइक्रोबियल प्रतिरोध और विषाक्तता को बढ़ा सकता है। अतः हानिकारक कीटों के साथ साथ इससे मधमक्खियों जैसे लाभकारी कीट भी प्रभावित होते हैं, जिससे पारिस्थितिकी और जैव विविधता में असंतलन पैदा हो सकता है। भारत में बीटी कपास के उत्पादन के कड़वे अनुभव से ये साबित हो गया है कि ये फसलें अक्सर अपने अनुमान के मुताबिक पैदावार नहीं बढ़ा पातीं और किसानों को आर्थिक परेशानियों में डाल देती हैं। आज के समय में वैश्विक

स्तर पर, खासकर यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों में उपभोक्ताओं द्वारा जीएम-मुक्त खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ रही है। कई देश पुख्ता सबूतों के साथ ऐसा दावा करते हैं कि गैर-जीएम कृषि को प्राथमिकता देना न केवल व्यावहारिक कदम है, बल्कि यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और आर्थिक उत्थान के लिए भी फायदेमंद है। उदाहरण के तौर पर यूरोपीय संघ (एव) में, कुल मक्का उत्पादन का 99% से अधिक हिस्सा जीएम-मुक्त मक्के का है। ये जीएम फसलों को अपने देश में सख्त नियामक प्रणाली से नियंत्रित करते हैं। एक डाटा के अनुसार सन 2023 में यूरोपीय संघ में लगभग 61.4 मिलियन टन जीएम-रहित मक्का उत्पादन हुआ। इसी तरह ब्राजील ने जीएम-रहित मक्का और सोयाबीन के निर्यात-बाजार में अपनी स्थिति मजबूत की है। अगर इन देशों ने बिना जीएम बीजों को अपनाये हुए मक्के की उपज बढ़ा सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं। जीएम मक्का को अपनाना इन उपभोक्ताओं को निराश और मक्के के उपयोग से दूर कर सकता है, जो भारत की सतत कृषि की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। कई पर्यावरणविदों और कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को खाद्य सुरक्षा के लिए जीएम मक्का की आवश्यकता कतई नहीं है। आधनिक प्रजनन तकनीकें मक्के के सुरक्षित और प्रभावी विकल्प प्रदान करती हैं। बिना किसी खतरे के उच्च उत्पादन, कीट प्रतिरोधी और सुखा-सहिष्णु मक्के की फसलें विकसित करने के लिए लम्बे समय से इन विधियों का उपयोग

# अक्षरों का प्रेमपूर्ण संयोजन है शब्द

**र्ट्स** ब्द सामाजिक सपदा है। हरेक भाषा में शब्द हैं। प्राचीन काल में शब्द बोले जाते थे। सने जाते थे। तब लिपि की खोज नहीं हुई थी। बोले और सने गए शब्द विशेष प्रकार की ध्वनि थे। शब्द किसी न किसी रूप के प्रतिनिधि होते हैं। शब्द शक्तिशाली होते हैं। प्रत्येक शब्द अर्थ धारण करता है। अर्थ की अभिव्यक्ति भी शब्दों से होती है। मनुष्य शब्दों का प्रयोग करता है। प्रयक्त न होने वाले शब्द चलन से बाहर भी हो सकते हैं। ज्यादा प्रयुक्त होने वाले शब्द लंबी यात्रा करते हैं। देश काल के प्रभाव में अर्थ भी बदल सकते हैं। कविता और अन्य सृजन शब्दों में होते हैं। शब्द बोले जाते थे, सुने जाते थे। फिर लिपि बनी, उनका रूप बना। उनकी छपाई का ज्ञान विकसित हआ। शब्द संचय पुस्तक बने। भाव संवेदन, विषाद-प्रसाद और हर्ष-उल्लास की अभिव्यक्ति बने शब्द। शब्द ज्ञान विज्ञान के साथ अपनी देशज सभ्यता संस्कृति भी लाते हैं। कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने

कैंब्रिज डिक्शनरी में 1 लाख 30 हजार बार खोजा गया। भारत में ऐसे अनेक शब्द हैं, जिनका प्रयोग बहुतायत से होता है। हिंदी सिनेमा के संसार में साजन और सावन शब्दों का प्रयोग लाखों बार हुआ है। भोजपुरी में एक शब्द है करेजह। पिया शब्द भी पति या है। लाखों बार पढ़ा गया है। अंग्रेजी का एक शब्द है फैंटसी। इसका मूल अर्थ है कई ध्वनियों का मिलना। यही जब सुंदर का अनुभव देता है तब फैंटास्टिक। अर्थ बदलते हैं। इसका उदाहरण अथर्ववेद के भूमिसूक्त में है। वैदिक काल में विभिन्न उत्सवों के समय ग्राम मिलन होता था। भूमिसुक्त में इसके लिए संग्राम शब्द का प्रयोग होता था। अब संग्राम का अर्थ युद्ध हो गया है। कुछ शब्द लंबी दूरी की यात्रा में थक जाते हैं। विश्व शब्द आपूरित

🛮 ब्द सामाजिक संपदा हैं। अंग्रेजी के शब्द मैनिफेस्ट को हैं। प्राचीन सभ्यताओं में शब्द भी रूप में जीवंत संवाद, रस प्रवाह के प्राचीन होते हैं। दशो दिशाओं से गतिशील हैं शब्द। पुरब से आते शब्द पश्चिम से आते शब्दों से टकराते हैं, मिलते हैं। इसी तरह उत्तर-दक्षिण सहित सभी दिशाओं से भी। भारतीय चिंतन में आकाश का गुण शब्द कहा गया है। ऋग्वेद की अनुभूति में जीवंत कविताएं परम व्योम में रहती हैं और जागृत चित्त में उतरने की कामना करती प्रेमी के लिए होता है। ऋग्वेद में हैं। शब्द ध्वनि ऊर्जा हैं। पहले सविता की स्तित वाला गायत्री मंत्र अरूप थे। सिर्फ बोले सने जाते थे। वे संवेदन प्रकट करने का माध्यम थे। फिर हर्ष, विषाद, क्रोध और बोध प्रकट करने का माध्यम बने। विश्व शब्द भंडार लगातार बढ रहा है। मुझे लगता है कि यह संसार शब्दों का ही मेला है। तत्सम, तद्भव यहां मिलते हैं, छोटाई बड़ाई त्याग कर हरेक रूप के लिए शब्द। जितने रूप, उतने शब्द। उससे भी ज्यादा शब्द। शब्द ब्रह्म हैं। शब्दों से निर्मित वाक्यों से पुस्तकें बनती हैं। पुस्तकों को प्रणाम करना हमारी स्वाभाविकता है। यह प्रणाम प्रत्यक्ष रूप में शब्दों के प्रति है। अप्रत्यक्ष

प्रति है और शब्द ब्रह्म के प्रति भी है। मेरा मन तार्किक है। संशयी भी है। पुस्तकें संशय और तर्क को और स्वस्थ करती हैं, बहुधा तर्क के परे भी ले जाती हैं। कछ शब्दों के कई अर्थ होते हैं। शब्द का गर्भ बड़ा न्यारा है। वह अपने भीतर अर्थ पालता है। शब्द का अर्थ जड़ नहीं होता। उसका मूल है भाव। इसलिए शब्द का भावार्थ भी होता है। शब्द अपने अंतस में भावार्थ लेकर चलता है। अर्थहीन शब्दों का कोई उपयोग नहीं। वे निरर्थक हैं। पुस्तकें बड़ा काम करती हैं। शब्द उनके मन प्राण हैं, भाव उनकी आत्मा है और ज्ञान उनकी बुद्धि। वे प्राणवान हैं। जीवमान हैं। पतंजलि ने महाभाष्य में लिखा है कि एक ही शब्द, प्रयोग के अनुसार भिन्न-भिन्न अर्थ देता है। उन्होंने शब्द प्रयोग में सावधान रहने का निर्देश दिया है। भारतीय संस्कृति दर्शन में ओउम की महत्ता है। ओउम शब्द नहीं है। पतंजलि ने इसे अस्तित्व का नाम बताया है-तस्य वाचक प्रणवः कहा है। भिन्न

भिन्न मतभिन्नता के बावजूद दर्शन में ओउम की महत्ता है। शब्द उगते हैं मनोभूमि पर। सुकुमार और काम्य कोमल पष्प जैसे आकर्षक। मधुगंध उड़ेलते हैं और हृदय में पैठ जाते हैं। उन्होंने विचार धारण किया है। शब्द ब्रह्म कहे गए हैं। शब्द इस ब्रह्म को धारण करते हैं। ब्रह्म सदा रहता है, शब्द भी सदा रहते हैं। सृजन में ही मनुष्य का अमरत्व है। अध्ययन भी सृजन कर्म है। अध्ययन स्वयं के पनर्सजन की कार्रवाई है। शब्दों से बनी पुस्तकें हमारे पुनर्स्जन और पुनर्नवा गतिशीलता का उपकरण है। पढ़ना, सुनना, जानना, जाने हए को बताना उपनिषद ऋषियों का आदेश है। नवसृजन के अवसर और इस अनुष्ठान का मंगल उपकरण हैं शब्द। मनुष्य शब्दों का उपयोग आजीवन करता है। यहां वस्तुओं से ज्यादा भावनाओं के लिए शब्द हैं। प्रेम भाव का शब्द प्रसार और प्रसाद अधिकांश विश्व में है। मजेदार बात है कि भारत में क्रोध व्यक्त करने के लिए ठोस शब्द हैं। गाली भी शब्द सामर्थ्य के

बिना असंभव। ज्यादातर गालियां बहिन बेटी व माता को चोट पहुंचाती हैं। यह उचित नहीं है। लड़ाई पुरुषों में और अपशब्द स्त्रियों के लिए कहना पाप है। शब्द प्रयोग में सतर्कता जरूरी है। शब्द जीवमान, मार्गदर्शक, पालक व पोषक हैं। पुस्तक का पाठ पर्याप्त नहीं। शब्द रस प्रवाह में बहने और आनंदित होने के लिए पुनर्पाठ जरूरी है। विश्व की सभी सभ्यताओं में पुस्तकों के आदर की परंपरा है। वेद, उपनिषद, रामायण और गीता आदि का आदर पुराना है। शब्द सबके हैं। वे सार्वजनिक संपदा हैं। लेकिन, अर्थ अपने-अपने। शब्द की सामर्थ्य बड़ी है। प्रयोगकर्ता की सामर्थ्य शब्द का अर्थ खोलती है। साहित्यकार अनुभूति का मधुरस जोड़ते हैं। नया संसार गढ़ते हैं। पुस्तक रचनाकार के शब्द कौशल का परिणाम है। कागज का पुलिंदा नहीं। कालिदास, तुलसी, निराला, पीबी शेली आदि के शब्द ऐसे ही हैं। सम्यक शब्द प्रयोग के प्रभाव सारी दुनिया में देखे जाते हैं।

# Social Media Corner

खिलाफ है। हिज्ब-उत-तहरीर की गतिविधियां इस्लामिक शिक्षाओं

का भी खंडन करती है। इस्लामिक चिंतकों के अनसार, इस्लाम एक

आस्था के तौर पर अराजकता से बचने को महत्व देता है।

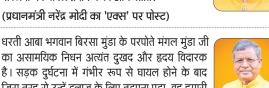
सच के हक में

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा जी की मृत्यु का समाचार बहुत दुखद है। यह उनके परिवार के साथ-साथ सभी देशवासियों, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं उनके परिवारजनों के प्रति गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।



(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

भगवान बिरसा मुंडा जी के वंशज मंगल मुंडा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनका जाना उनके परिवार के साथ ही झारखंड के जनजातीय समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!



जिस तरह से उन्हें इलाज के लिए तड़पना पड़ा, वह हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता को दशार्ता है। इतनी नाजुक स्थिति में भी उन्हें समय पर ट्रामा सेंटर में बेड नहीं मिला। इलाज शुरू करने में 10 घंटे की देरी हुई। परिजनों को 15,000 की दवाएं भी खुद खरीदनी पड़ीं। अबुआ सरकार में एक गरीब आदिवासी की जिंदगी की कीमत आज बस इतनी ही रह गई है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

# चुनाव बाद ओझल होने वाले मुद्दे

🗗 ल में संपन्न महाराष्ट और 🛮 है। देश के संचार माध्यम दलगत ल में संपन्न महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में पूरे देश ने रुचि ली। चुनाव लोकतंत्र का आधार स्तंभ हैं। उनकी प्रक्रिया, शुचिता और परिणाम पर विश्वास भी उतना ही आवश्यक है। चुनाव परिणामों पर चर्चा हर प्रजातांत्रिक देश के लोगों का ध्यान आकर्षित करे तो इसे लोकतंत्र की व्यवस्था का अनिवार्य अंग मानते हुए सभी को संतुष्ट होना चाहिए। परिणाम के पश्चात जीतने वाले और न जीत पाने वाले के कार्यक्षेत्र और उत्तरदायित्व स्वतः ही निर्धारित हो जाते हैं। दोनों ही पक्षों को जनहित में अपने को समर्पित कर देना ही लोकतांत्रिक अपेक्षा है। इसमें पारस्परिक सहयोग की कोई मनाही नहीं है। विजेता को जन अपेक्षाओं को पूरा कर सकने की क्षमता के उपयोग में लग जाना चाहिए और हारे हुए को जन सेवा में अपने को समर्पित करने के अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

चुनाव चर्चा अब देश और संचार

माध्यमों का प्रिय शगल बन गई

राजनीति से जुड़े हुए नेताओं, उनके वक्तव्यों और उसके विश्लेषण पर बहुत समय और स्थान दे रहे हैं। परिणामस्वरूप जिन समस्याओं और उनके त्वरित समाधान पर राष्ट्रव्यापी चर्चा होनी चाहिए, वह पीछे छूट जा रही है। महाराष्ट्र के चुनावों के समय वहां किसानों की आत्महत्याओं और सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के संबंध में कहीं कोई समाचार पढ़ने-सुनने को नहीं मिला। कोई प्रत्याशी या दल भी समयबद्ध सीमा में उनकी स्थिति सुधारने का संकल्प लेता नहीं दिखा। चुनावों के दौरान तो ऐसा लगा कि महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या जैसी कोई समस्या है ही नहीं। किसानों और उनकी समस्याओं को लेकर केवल किसान आंदोलन के दौरान संचार माध्यम स्थान और समय दे रहे थे। हालांकि उसमें भी उनकी समस्याओं का विश्लेषण कम और नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप ही

अधिक प्राथमिकता पाते रहे। ऐसे आंदोलन जब समाप्त हो जाते हैं, तब लगता है कि अब उस समस्या का समाधान हो गया है। इस पर जिस गहन विचार विमर्श की आवश्यकता है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अनेक वर्षों से किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्या को लेकर आंकड़े देश के सामने कभी-कभी आ जाते हैं, लेकिन वे राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी चर्चा का विषय नहीं बनते, जो किसी समाधान तक पहुंच सके। इसका समाधान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करना उनका संवैधानिक ही नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय उत्तरदायित्व कितने नव-निर्वाचित विधायक यह प्रण ले सकते हैं कि अगले तीन वर्षों में वे जी-जान लगाकर किसानों की आत्माहत्याओं को जनित करने वाली स्थितियों को समाप्त कर देंगे। सामान्य नागरिक की यह सहज जिज्ञासा है कि क्या इस देश के किसानों की आत्महत्या

को रोक सकने लायक नीतियां और योजनाएं बनाने के लिए देश का राजनीतिक नेतृत्व एवं वरिष्ठ अधिकारी अक्षम हैं। क्या देश में ऐसे अध्ययनशील विद्वानों की कमी है, जो इससे जुड़ी समस्याओं को गहराई से समझते हों और उनके व्याहारिक समाधान निकाल सकने की क्षमता रखते हों। देश में लगभग हर प्रांत में कृषि विश्वविद्यालय हैं। इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च नाम की एक प्रतिष्ठित संस्था भी है, जिसकी अनेक शाखाएं हैं और जिसके योगदान की सराहना देश-विदेश में की जाती है। भारत के विज्ञानियों और इस संस्था ने अनाज की कमी से जुझ रहे देश को कुछ दशकों के प्रयास के पश्चात उसका निर्यातक बना दिया। क्या इस संस्था को यह उत्तरदायित्व नहीं दिया जा सकता था कि वह ऐसी नीतियां बनाए, जिससे किसानों की समस्या सुलझ सके और बड़ी संख्या में

हो रही आत्महत्याएं बंद हो सकें।

# प्रदर्शन और कार्रवाई

एक और जन विरोध। राजधानी वाले शहर में एक और बंद। और सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर एक बार फिर हिंसक कार्रवाई। पाकिस्तान संकट के दौर से गुजर रहा है। वहां फौज समर्थित सरकार और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बीच लंबे समय से टकराव चल रहा है। ताजा प्रकरण में खान द्वारा विरोध प्रदर्शन के लिए अंतिम आह्वान करने के बाद पीटीआई समर्थकों ने अपने नेता और अन्य पार्टी पदाधिकारियों की रिहाई की मांग करते हुए राजधानी की ओर मार्च किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने कई एहतियाती उपाय किए - हजारों पीटीआई कार्यकताओं को गिरफ्तार किया गया, सुरक्षा बलों ने शिपिंग कंटेनरों के साथ शहर के प्रवेश द्वारों को अवरुद्ध कर दिया और हजारों की तादाद में सुरक्षा बलों के जवानों को तैनात किया गया। फिर भी कई प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद के विरोध प्रदर्शन के मुख्य चौक, डी-चौक तक पहुंचने में कामयाब रहे। सुरक्षाकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेले जाने के बाद पीटीआई ने बाद में अस्थायी रूप से रैली खत्म कर दी। लेकिन, उनकी मुख्य मांगें जस की तस बनी हुई हैं और हाल के सालों में इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन के पैटर्न के मद्देनजर पीटीआई की तरफ से एक और लॉन्ग मार्च शुरू करने में बहुत ज्यादा देर नहीं है। एक साल से भी ज्यादा वक्त से जेल में बंद इमरान खान के पास शिकायतों की एक लंबी फेहरिस्त है। एक समय पाकिस्तान के शक्तिशाली सत्ता प्रतिष्ठान के पसंदीदा रहे, खान को 2022 में फौज के जनरलों के साथ मतभेद होने के बाद लगातार कई राजनीतिक और कानूनी झटके लगे। उनके खिलाफ 150 से ज्यादा आपराधिक मामले चल रहे हैं। फरवरी के चुनावों से पहले पीटीआई के खिलाफ कार्रवाई की गई और उसे अपने लोकप्रिय चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट का इस्तेमाल करने से रोक दिया गया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# COP29 deal has let the world down

COP29, the latest round of climate negotiations at Baku, ended with a contested deal. The central theme was supposed to be climate finance. It refers to local, national or transnational financing that seeks to support mitigation and adaptation actions that will address climate change. For decades, developing countries have been demanding additional funding to help them take effective measures to meet the challenge of climate change. They have been demanding that rich countries shoulder a greater responsibility because primarily they are responsible for the current crisis. It is historical emissions from the Global North since the Industrial Revolution that have led to the climate crisis. The quantum of climate finance and its source have been a sticking point between developed and developing nations for a long time.It was against this backdrop that the Baku negotiations raised expectations and hope for a good deal. The outcome sets a goal of at least \$300 billion of climate finance every year by 2035 for developing countries. The money will come from a wide variety of sources — public and private, bilateral and multilateral, including alternative sources. In providing this funding, developed countries will take the lead and developing nations will be encouraged to make contributions voluntarily. The finance goal set at Baku falls much short of the target and the timeframe developing countries had demanded — \$1.3 trillion in finance every year to be mobilised by developed countries starting 2025. Not only is the figure much below the quantum but the timeframe is far off. This is by now a familiar tactic of the Global North — fix a watered-down target and a much longer timeframe to avoid any immediate commitments. Moreover, the promised funding will not come solely from the rich. Developing countries, too, will have to contribute to the kitty. Predictably, this has upset developing countries. At the end of the negotiations, India, Bolivia and Nigeria voiced their concerns over the weak deal, officially called the New Collective Quantified Goal on Climate Finance. India has also accused the presidency of the Conference of Parties (COP) of pushing through the deal without following the norms of multilateral talks held under the aegis of the UN.Developing countries need finance and technology to meet the challenge of climate change. Money is needed for mitigation — largescale investments are required to significantly reduce emissions. This means funding to support renewable energy projects, energy efficiency, managing living natural resources and land use, protection of terrestrial and aquatic biodiversity, clean transportation, etc. The second major requirement of additional funding is for adaptation — resources needed to adapt to the adverse effects and reduce the impacts of a changing climate. This would, for example, include funding to build infrastructure that can withstand storms and flooding, financing the relocation of infrastructure projects away from areas with rising sea levels, developing and supplying drought-resistant seeds, etc. In addition, climate finance is required for a third category of actions known as 'loss and damage' to help countries cope with natural disasters accentuated due to climate change.

Over the years, several mechanisms and funds have been devised for climate finance under the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC). These include the Global Environment Facility, Green Climate Fund, Special Climate Change Fund, Least Developed Countries Fund, Adaptation Fund, etc. However, in effect, very little money has flowed into these funds and made available to developing countries. For instance, the Green Climate Fund has supported 243 projects across 129 developing countries totalling \$13.5 billion during the 2020eriod. The Adaptation Fund has committed \$1.2 billion for 183 adaptation projects in several developing countries since 2010. The flow of funding from other mechanisms is even more miniscule. Overall, the finance available from UNFCCC-promoted funds and mechanisms is far below the requirement. Hence, the demand at Baku was to enhance the quantum as well as quality of finance.

# Manipur a test of govt's ability to manage unity in diversity

AS euphoric celebrations over Maharashtra state elections lead to a 'masterstroke' discourse and headlines, the continuing agony of Manipur has been relegated again. A brief mention of rushing an additional 10,000 CAPF (Central Armed Police Forces) soldiers towards addressing the.

AS euphoric celebrations over Maharashtra state elections lead to a 'masterstroke' discourse and headlines, the continuing agony of Manipur has been relegated again. A brief mention of rushing an additional 10,000 CAPF (Central Armed Police Forces) soldiers towards addressing the spiralling Manipuri violence seemingly satisfies the national consciousness. Official figures peg the death toll at about 258, with about a lakh displaced. The substantially higher unofficial figures are automatically pooh-poohed. News coming out of the troubled state is patchy, if any. The complete breakdown of Manipur is a mere footnote in news.

Manipur is a microcosm of India with religio-ethnic diversities, polarised assertions and a deeply contested history that tests the ruling dispensation's ability to manage the constitutionally aspired unity in diversity. Manipur hosts an amalgamation of Hindus (Vaishnavite Meitei), Christians (Kuki-Zo, Nagas), Muslims (Pangals), Buddhists and tribals and it even had Jews (B'nei Menashe) once upon a time. Therefore, the erstwhile Kangleipak state (Meitei-ruled Manipuri state) has always had to deal with underlying disaffection among its non-Meitei populace, especially in the hills dominated by Kukis and Nagas. But a certain geographical arrangement and understanding of respecting the local turfs and sensibilities of the various diversities ensured a semblance of normalcy. In a way, Manipur mirrors the challenges that had beset the newly independent India. It, too, had required the celebration of the commonality of differences as opposed to insisting on the homogeneity of the 'land of the pure' or Pakistan. The foundational and constitutional 'idea of India' was a direct contrast to the majoritarian 'idea of Pakistan'as India was fundamentally predicated on inclusivity, secularism and a deliberate accommodation of 'others'.

Therefore, the 'idea of India' always beseeched a large-hearted outreach, protection and affirmation of those whose voice could get naturally diluted in a democratic majority. Ultimately, as numbers matter in a democratic contest, those with lower numbers (read minorities) could get lost. It is this imagined vulnerability of the minorities that led to societal dissonance in regions with higher numbers of minority denominations, like Jammu and Kashmir, Punjab or the Northeast states.

The integration of many of these regions, such as Jammu and Kashmir's accession to India in 1948, or

the Maharaja of Manipur's signing of the merger Delhi always had a difficult task in addressing each agreement in 1949, were by themselves complicated events. Obviously, the forces inimical to India fanned the situational dissonance towards secessionism. It had taken Delhi to course-correct many of its missteps and admit to some excesses whilst signing the peace accords in places like



Punjab and Mizoram to trigger the end of insurgent movements. Finally, the 'Idea of India' had triumphed by convincing the restive diversities, honouring the foundational spirit of unity in diversity. Sadly, along with Jammu and Kashmir, Manipur has the dubious distinction of facing the longest continuing insurgency and the maximum number of insurgent groups. Groups like the People's Liberation Army of Manipur (PLA), People's Revolutionary Party of Kangleipak and Kangleipak Communist Party represent the societal grouping in the state. Other prominent insurgent groups include Naga groups like the National Socialist Council of Nagaland-Isak-Muivah and National Socialist Council of Nagaland-Khaplang as also the Kuki National Army representing the Kuki ethnicity. These groups have separate, specific, and, often, conflicting agendas that seek to protect their respective turfs and arrangements.

These armed groups could either be pursuing purely secessionist movements, such as the PLA, or protectionist agendas to defend their communities from seceding space in the delicate arrangement from usurpation or diminishment. Many groups have fought violently in the past, like the Kuki forces against the Naga groups, or, like now, the Meitei multitude against the Kukis.

group and challenge uniquely, without resorting to blanket narratives or presumptions. Therefore, while it is relatively peaceful in the once-troubled places like Nagaland, Mizoram and Assam, the divergence of competing interests in the Manipuri cauldron have failed to end the insurgent movements therein. Although till about 2022, the broadly respected arrangement of various groups ensured relative peace, but not completely. Delhi had to tiptoe around the armed aspirations to not be seen as favouring any group or community.

The local arrangement among the Manipuri divide was given to a sudden fracture, with the local courts suggesting affirmative action that seemed to suit one group over the other perceptively. This move, coincidentally, fitted well with the thrust of majoritarian politics that had entered the region and spurred the ruling dispensation in Delhi into power even in Imphal for the first time in 2017. The fact that this winning partisan thought had successfully conflated religion with nationalism, it axiomatically led to 'othering' or aspersions of 'anti-national' on to communities that did not fit the

especially minorities, on the genuineness of Delhi in Dangerously, the perception gained credence that Delhi had made a choice among the restive groups that threatened the traditional set piece of local arrangement. The supporting rhetoric was typically one-sided, with murmurs of one side having foreign support, gunrunning, smuggling, territorial denialism and even aspirations of a 'Christian state'. It didn't help matters that the actions of the law and order agencies also seemed to favour one side. The absence of the the Prime Minister's visit despite the scale of tensions and bloodshed only deepened the distrust amongst the proverbial 'others' in the conflict. The new narrative may have electorally benefited the ruling dispensation in the region, but it has also brutally polarised the communities and allies, like the regional National People's Party, had no choice but to throw in the towel. It is true that conflict-ridden regions like Jammu and Kashmir and Manipur have very little impact on national government formation, with just three seats for the former and two for the strife-torn state. However, these regions with substantial number of minorities or 'others' test the sincerity and commitment of the ruling government to the constitutional morality of

# **Minority persecution**

THE arrest of Hindu leader Chinmoy Krishna Das in Bangladesh on Tuesday has once again spotlighted the challenges faced by minorities in the country. Das, ISKCON leader and advocate for minority rights, was arrested on charges of sedition after allegedly...

THE arrest of Hindu leader Chinmoy Krishna Das in Bangladesh on Tuesday has once again spotlighted the challenges faced by minorities in the country. Das, ISKCON leader and advocate for minority rights, was arrested on charges of sedition after allegedly disrespecting the Bangladeshi flag — a claim his supporters contest. The arrest, coupled with the denial of bail, has sparked widespread protests, both in Bangladesh and across the border in India. The context of this unrest lies in a troubling pattern of minority persecution. Despite constitutional assurances of equality, Bangladeshi Hindus, who constitute around nine per cent of the population, frequently endure violence, vandalism and social exclusion. Reports of mob attacks on Hindu homes and temples are alarmingly common, especially during political transitions — as has been seen since Sheikh Hasina's ouster — or communal tensions. While the current unrest ostensibly revolves around Das' arrest, it underscores the India's official response to the incident — urging the



broader insecurity experienced by minorities in a state where Islam is the official religion.

interim government led by Muhammad Yunus to ensure minority safety and uphold freedom of expression and assembly - reflects its concerns for the region's stability. However, Bangladesh must recognise that addressing these issues is not merely about appeasing international pressure. The long-term solution lies in fostering inclusivity, ensuring swift justice for victims of communal violence and protecting the fundamental rights of its citizens, irrespective of faith. The onus is on Dhaka to restore trust by heeding the calls of groups like the Sammilit Sanatan Jagran Jote, which advocate for special tribunals to expedite justice for victims of persecution. Failing this, the cycle of unrest threatens to escalate, undermining Bangladesh's image as

a progressive democracy. Peace and security for all minorities must be a lived reality.

# Why the Anglo-Saxon West hates Russia

THis is the taunting remark made by the then UK Defence Secretary Ben Wallace on February 23, 2022, even before Russia had invaded Ukraine: "The Scots Guards kicked backside of Tsar Nicholas-I in 1853 in Crimea and we can always...

THis is the taunting remark made by the then UK Defence Secretary Ben Wallace on February 23, 2022, even before Russia had invaded Ukraine: "The Scots Guards kicked backside of Tsar Nicholas-I in 1853 in Crimea and we can always do it again." He was referring to the 170-year-old Crimean War between Moscow and the tripartite forces of London, Paris and Ankara's Ottoman Empire which defeated Russia to conclude with the Treaty of Paris in 1856. The palpable hatred of the West's Anglo-Saxon people towards Russia is unmistakable.

Fast forward one month, to March 22, 2022, and one finds Joe Biden, President of the US (POTUS), blurting out another verbal bullet in Warsaw: "For God's sake, this man Putin cannot remain in power."

What message was POTUS giving to the world? Was he in charge of the regime change of Moscow and judge, jury and arbitrator, with powers of the world supercop on the prowl? Or, was he heading the sole superpower state? For a minute, however, POTUS acted like a non-state actor of a tinpot dictatorship!

True, Biden was referring to the wrong and illegal Russian invasion of the sovereign Ukraine. But, did he remember the plethora of worse wrongdoings of his own country committed in the 21st century? Again, it's true that two wrongs cannot make one right, yet one has to be rational, restrained and reticent while uttering words to make a point on an international platform dealing with such crisis situations as the Russia-Ukraine conflict.

Russia was wrong on all counts to invade Ukraine on February 24, 2022, and under no stretch of the imagination can the Moscow aggression be defended. It's a naked 18th -20th century imperialtype aggression by the powerful to conquer the weak. Moscow had no business to trample upon Ukraine's sovereignty. Nevertheless, on closer scrutiny, it is seen that the Russian invasion of Ukraine was born of a ceaseless twodecade-plus shameless US-led NATO and EU provocation, which posed a dire and direct existential threat to Moscow's geography through her underbelly of Kiev.

Hence, despite Russian President Vladimir Putin being wrong, he had reason to be wrong, and reason to be not right. It's the blatant West-plotted expansion towards the East that Russia couldn't have ignored beyond a point. All the more so because the once-sovereign USSR had already been broken into 15 states in December 1991, with Russia being one of the new states. The

shrunkened and weakened Russia, thus, constituted a fresh opportunity for the traditional imperialist powers of the West to get back to their favourite pastime: Of expanding territory, controlling resources and subjugating local manpower to subservience to bolster their own economy and multiply their growth chart, the way it zoomed from the 17th to the 20th century.

Today, the Russia-Ukraine war is more than a local conflict of the Balkan-Black Sea belt. The outgoing POTUS, Biden, has suddenly escalated the war, which could be potentially disastrous for Europe if it remains just a conventional conflict. However, in the unlikely event of the use of nuclear wares, one cannot predict the conflict's outcome. Indeed, whatever the



future course of the Ukraine war, Biden (the Anglo- The short of the long story, therefore, is the revival of Saxon who hates Russia), for sure, will go down as a would-have-been hero who fell as a tragic villain in the history of the USA in general and the history of European warfare in particular for escalating the war zone into a potential Armageddon.

Ironically, the villain should have been Putin for initiating the war. But the role has been diametrically reversed as Biden seems to have taken over the mayhem mantle from the Moscow man.

Thus, Biden has perfectly fitted into Putin's shoes by allowing US-made lethal weapons to be targeted deep into Moscow's land. Obviously, Moscow will react and go for reprisals on the source of the weapons' launch pads. And the launch pads may be any country, but certainly not the US or the UK, the two Anglo-Saxon nations whose hatred for the eastern state of Russia constitutes permanent chapters of world history. Where, then, do things go from here? The biggest puzzle at this point in time to the world in general and the West in particular is US president-designate Donald Trump, whose dislike for Biden is too conspicuous to be ignored.Biden inherited the Trump legacy of the Afghan war endgame. And August 2021 is a bad dream come true for the new POTUS. The retreat after the 20-year war made Biden a bitter man. The October 2024 escalation of the present Ukraine war is the right punch for Biden to deliver as a revenge trophy to Trump, his 2021-predecessor-cum-2025successor.

Anglo-Saxon versus Russia rivalry on the fringe of Europe. The imperial sea powers of the West would prefer to continue with the proxy conventional war in land owing to their inherent discomfiture to take a direct fight with a monstrous land power which has traditionally thrived on protracted conflict away from the water. The Anglo-Saxons may like to think that the long war on land would weaken the Slav Russia both economically and demographically, but that may not turn out to be so.

The dynamics of political alignments are changing rather fast, with land powers uniting to take on the comparatively smaller sea powers with diminishing demography and challenging economy.

## Saturday, 30 November 2024

## Enviro Infra shares make strong debut, list at 49% premium over IPO price

New Delhi. Enviro Infra Engineers made a strong stock market debut on Friday, listing at a premium of nearly 49% over the issue price.

The shares opened at Rs 220 on the National Stock Exchange (NSE), marking a 48.64% jump from the IPO price of Rs 148. On the Bombay Stock Exchange (BSE), the stock listed at Rs 218, reflecting a 47.29% premium. This is even better than what the grey market premium had indicated. The Rs 650-crore IPO, priced between Rs 140 and Rs 148 per share, was open for subscription from November 22 to November 26 and saw overwhelming demand.It received bids for 2,76,83,13,747 shares against the 3,07,93,600 shares on offer, translating to an overall subscription of 89.90 times. The portion reserved for qualified institutional buyers was subscribed 157.05 times, while non-institutional investors subscribed 153.80 times. Retail investors' portion was subscribed 24.48 times. Ahead of the IPO, the company raised Rs 195 crore from anchor investors. The offering included a fresh issue of 3.87 crore equity shares and an offer for sale (OFS) of 52.68 lakh shares by promoters. The fresh issue proceeds will be used to address several financial needs: Rs 181 crore for working capital, Rs 100 crore for debt repayment, and Rs 30 crore to fund its subsidiary, EIEL Mathura Infra Engineers, for the construction of a 60-millionlitre-per-day sewage treatment plant in Mathura, Uttar Pradesh.

## Air India facing delays in Boeing aircraft deliveries: **CEO Campbell Wilson**

NEW DELHI: Air India CEO and MD Campbell Wilson said on Wednesday that the airline is experiencing delays in receiving aircraft deliveries from Boeing, largely due to a strike at the aircraft manufacturer's U.S. factory. Wilson revealed that the delivery of 50 "white tail" aircraft, initially expected to be completed by December this year, has been pushed to June 2025."50 white tail aircraft, all of them were to come by December this year... They will stretch up to June next year and that in itself has a little bit of impact...," he said, adding that the two factors - a slowdown in production by Boeing and the strike – are likely to have contributed to the delay.

"It is not clear for how long the impact will be. Six months is reasonable for some aircraft...," Wilson added.Out of the total 50 white-tail Boeing 737 MAX aircraft, at least 35 have joined Air India's fleet. These planes are being operated by Air India Express. Generally, white-tail planes are those that were originally manufactured for a particular airline and later taken by another airline. Currently, the Air India Group operates a fleet of around 300 aircraft. It is expected to add 100 new planes between 2026 and 2027. However, Wilson noted that deliveries in 2025 will be slower compared to 2024. The CEO also highlighted the importance of domestic and shorthaul international markets for Air India's growth in 2025, as the airline expands its narrow-body fleet while sending its older wide-body aircraft for retrofitting."We had hoped to start retrofit of 787s and 777s by now. Unfortunately, the global supply chains in some areas are still recovering and seats in particular are a challenge...Once it (retrofit) starts in 2025, we will be doing 3-4 aircraft every month until the full legacy 40 wide-body aircraft are completed,' Wilson said. "So, we took the view that there is an opportunity, appetite for growth in the market and that we should take it. On balance, we have taken millions of people on these aircraft. People are happy that the service exists," he noted

In general, the penalties for such charges are less severe than bribery. Adani Group had last week denied all allegations as baseless, and said it would seek legal recourse to defend itself.

## 2024 'Black Friday' sale targets inflation stricken US customers

NEW DELHI. As November ends, Black Friday kicks off the US holiday shopping season, a time known for finding the best deals. However, this year, retailers are preparing for shoppers who are more focused than ever on finding the best bargains and maximizing the value of their money. Though inflation has stabilized after the substantial price hikes during the Covid pandemic, consumers are still feeling the financial strain. Consequently, bargain-hunting strategies like grabbing early giveaways and waiting for last-minute steals have become a trend.

Vivek Pandya, leading insights analyst at Adobe Digital Insights told AFP that as compared to previous years, 2024 holiday shoppers are "even more preoccupied and very focused around value and discounts.""We do see stronger price sensitivity on the part of the consumer and they are very responsive to deals and event-tie deals," he said. This year, consumers have eagerly participated in special discount events like Memorial Day sales and Amazon's "Prime Day."

Black Friday, marking the beginning of the gifting season, falls the day after Thanksgiving and kicks off a busy shopping weekend that also includes "Small Business Saturday" and "Cyber Monday."

To combat the ever evolving concern of inflation, major retailers like Target have shifted their "Black Friday" promotions to October or even earlier. Consumer prices on average were 22 percent higher in August 2024 compared with January 2020, according to Pew Research, and popular discontent with inflation is one reason Donald Trump won the US presidency in November. In August 2024, prices surged by an average of 22 percent compared to January 2020, according to Pew Research. Inflation is also believed to have played a role in Donald Trump's victory in the November elections.

Inflation continues to influence retailers' discounting strategies as they aim to meet the demands of the market.At Target, shoppers have become accustomed to gathering at the chain's "Circle Week" savings events, held almost once every quarter. These events have resulted in reduction in purchases a week before and after the events, as per the executives. After a lengthy period of inflation, "consumers tell us their budgets remain stretched," Target CEO Brian Cornell told analysts.

# Global Capability Centres to pay 50% higher salary than non-tech sectors

For FY25, GCCs are prioritising roles like penetration tester, data scientist, full-stack developer, software developer and customer success specialist.

BENGALURU. With the increase in the number of Global Capability Centres (GCCs) in the country, the job opportunities that they provide have also surged over the years. An analysis by TeamLease Digital reveals that GCCs are estimated to pay premium salaries in the Software Development domain, which is over 50% more than IT Products & Services and non-tech sectors. Employers are now preferring candidates with AI/ML skills in software development,



and due to this, entry-level positions in this domain are expected to see an average salary of Rs 9.37 lakh per annum in GCCs, followed by Rs 6.23 LPA in IT products & services, and Rs 6 LPA in nontech sectors by the end of FY25.For FY25, GCCs are prioritising roles such as Penetration Tester, Data Scientist, Full Stack Developer, Software Developer, and Customer Success Specialist. The IT Products & Services sector is seeking Big Data Developers, IT Auditors, RPA

Business Analysts, Cloud Security Engineers, and IoT Engineers, says the analysis.It says non-tech sectors are focusing on roles like Data Engineer, SAP ABAP Consultant, Cloud Support Engineer, Cybersecurity Analyst, and Automation Engineer.In cybersecurity and network administration domain, a critical field ensuring IT infrastructure protection, GCCs are expected to lead with an average salary of Rs 9.57 lakh per annum, which is 40.12% higher than their

IT counterparts, showcasing the critical need for expertise in identifying vulnerabilities and mitigating risk exposure, while IT products and services may offer Rs 6.83 LPA, and non-tech sectors `5.17 LPA.eeti Sharma, CEO, TeamLease Digital, said, "India's entrylevel job market is witnessing dynamic changes. While IT Services have seen a slowdown in fresher and entry-level hiring over the last 2-3 years, it is the GCCs and non-tech sectors that have emerged as the torchbearers for welcoming young talent and offering rich opportunities." GCCs are expected to lead the way, offering premium salaries, particularly in roles like Penetration Testing and Data Science, with average packages reaching Rs 11.8 LPA. This surge can be attributed to the rapid expansion of GCCs in India employing more than 1.66 million people and their need to maintain global standards,' Sharma added.Data scientists, full-stack developers in demandFor FY25, GCCs are prioritising roles like penetration tester, data scientist, full stack developer.

# **Enviro Infra makes solid market debut:** Should you hold or book profit

New Delhi. Enviro Infra Engineers made an impressive debut on the stock market, listing at a nearly 49% premium to its IPO price of Rs 148.On Friday, the stock opened at Rs 220 on the National Stock Exchange (NSE), a 48.64% rise, and at Rs 218 on the Bombay Stock Exchange (BSE), reflecting a 47.29% premium. Shares of Enviro Infra Engineers have dipped slightly following their strong listing, prompting investors to weigh whether to hold onto their shares or book profits.

#### SHOULD YOU HOLD OR BOOK **PROFIT?**

While the initial listing offers a strong start, experts suggest a cautious approach. According to Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart, the company's future performance hinges on project execution, regulatory developments, and competition.

The company's focus on sustainable infrastructure and its strong track record in executing projects have contributed to this impressive listing. However, investors should remain

cautious and monitor the company's performance closely, considering factors such as project execution risks, regulatory changes, and competition in the sector," Nyati said."While the initial listing is promising, long-term success will depend on Enviro Infra's ability to capitalize on its growth opportunities and deliver strong financial performance. But, as of now,

she added. ENVIRO INFRA IPO DETAILS

The Rs 650-crore IPO saw overwhelming demand during its subscription period

investors may hold their position by

keeping a stoploss ar around Rs 200,

from November 22 to November 26, achieving an overall subscription of 89.90 times. The qualified institutional buyer category was subscribed 157.05 times, while non-institutional investors subscribed 153.80 times. Retail investors also showed keen interest, with their segment subscribed 24.48 times.Enviro Infra specialises in turnkey projects for water

wastewater treatment plants, sewage systems, and water supply schemes. Its processes are zero-liquiddischarge compliant, enabling treated water to be repurposed for horticulture, industrial washing, and refrigeration.

roceeds from the IPO will address several financial priorities. The company plans to allocate Rs 181 crore for working capital, Rs 100 crore for debt repayment, and Rs 30 crore towards its subsidiary's sewage treatment plant project in Mathura, Uttar Pradesh. The remaining funds will be used for general corporate

## Sensex rallies 700 points, Nifty above 24,000; Adani stocks surge

New Delhi. Benchmark stock markets rebounded sharply on Friday, driven by gains in IT, financial, and energy stocks. The recovery follows the steepest decline in nearly two months during the previous session.

The S&P BSE Sensex surged 663 points to reach 79,702.09 by 10:33 am, while the NSE Nifty50 climbed 154.60 points to trade at 24,084.95. This marked a significant recovery after both indices fell by approximately 1.5% on Thursday.Adani Group stocks were among the top performers, with Adani GreenA Energy and Adani Energy Solutions jumping nearly 13% each, leading the gains across the conglomerate's listed entities.On the Nifty50, Cipla, Sun Pharma, M&M, Adani Ports, and Bharti Airtel emerged as the top gainers. Meanwhile, Shriram Finance, SBI Life, Power Grid, Coal India, and Hero MotoCorp were the top laggards. The market rally comes ahead of India's GDP data release, which is expected after market hours. Economists project the economy to have grown by 6.5% in the July-September quarter, the slowest pace in 18 months, owing to weakening demand.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, highlighted the puzzling volatility in foreign institutional investor (FII) activity. "Yesterday's massive FII sell-off of â,111,756



crore after days of buying is hard to explain. Whether this is a one-off or signals a broader trend will be clear in the coming days. Investors are advised to adopt a cautious wait-and-watch approach."He also noted that the inclusion of 45 new stocks in the F&O segment could trigger stock-specific action starting today. For long-term investors, Vijayakumar recommended accumulating large-cap stocks in sectors such as financials, IT, capital goods, and telecom, emphasizing that a "buy-on-dips" strategy may not yield immediate gains but could be rewarding over a medium to long-term horizon.

# Experts see GDP growth below 6.5% in second quarter

official GDP numbers for the second quarter of FY25, economic analysts present varied estimates ranging from 6.2% to 6.9%. The outlook reflects contrasting indicators from various sectors of the economy, highlighting both structural challenges and potential growth drivers. The Q2 GDP numbers will be announced on Friday by the Ministry of Statistics and Programme Implementation. ICRA has projected GDP growth to dip to 6.5% in Q2 from 6.7% in Q1FY25. It attributes the drop to heavy rains and weak margins offsetting buoyancy injected by turnaround in government capex and healthy trends in kharif sowing."Several sectors (in Q2) faced headwinds on account of rainfall, which affected mining activity,

NEW DELHI. Ahead of the release of electricity demand and retail footfalls given the highest priority while and a fall in goods exports. Margins monetary policy action may be appear to have weakened for corporates in various sectors in Q2. As a result, we project slight dip in India's GVA and GDP growth in Q2FY25 to 6.6% and 6.5%, respectively," says Aditi Nayar, chief economist, headresearch & outreach, ICRA.DK Srivastava from EY raises concerns about CPI inflation rate, which stood at 6.2% in October, alongside an expected lower GDP growth of 6.5% for Q2. He said, "Main reason for growth slowdown is contraction in government's capex at (-)15.4% during April-September 2024."Srivastava advocates for a prioritisation of fiscal policy actions, stating, "Accelerated government investment expenditure should be

delayed beyond December 2024."Gaura Sen Gupta, chief economist, IDFC First Bank, pegs Q2 GDP growth at 6.2% due to moderation in manufacturing sector growth.Listed companies results show fall in profit in Q2 with slowdown in revenue. Urban demand weakness persists with softer FMCG sales growth, consumer goods production and fall in passenger vehicle sales," she added. Madhavi Arora, chief economist at Emkay Global, suggests Q2 GDP may come in at 6.3%.he stated, "Urban wage bill growth has been declining on real basis for over one-and-a-half years and currently is well below five-year pre-COVID average of 9%.

# No delays in banking, Aadhaar OTP messages due to new traceability rules: TRAI

As the new deadline approaches, a video circulating on social media claimed that OTP and banking messages could be delayed due to the introduction of the new technology.

**NEW DELHI.** The Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) has assured consumers that there will be no disruptions in the delivery of essential net banking and Aadhaar OTP messages starting December 1, as the new traceability rules are implemented.

To combat the growing issue of cybercrime, TRAI had introduced a rule



on October 1 requiring telecom service providers to establish a system for tracking the origins of bulk messages. The original deadline for implementing these measures was set for October 31 but was later extended to November 30 due to technical challenges faced by operators. As the new deadline approaches, a video circulating on social

media claimed that OTP and banking messages could be delayed due to the introduction of the new technology. In response, TRAI clarified that there will

be no delay in the delivery of any messages. "This is factually incorrect. TRAI has mandated the Access Providers to ensure message traceability. It will not delay delivery of any

message," said TRAI, in a social media post. The TRAI has directed telcos, including Reliance Jio, Bharti Airtel, and Vodafone Idea, to implement message traceability in their systems. This measure aims to identify the source of bulk SMS traffic and is designed to curb the spread of fraudulent messages. Once the system is in place, authorities will be able to take action against the originators of such schemes. Initially, telecom companies expressed concerns about the technical complexities involved in deploying new system. However, TRAI has emphasized

that the implementation of message traceability will not cause any delays in message delivery.In August, TRAI also took several steps to curb promotional calls, including penalties for offenders, such as the disconnection of telecom resources, blacklisting for up to two years, and restrictions on obtaining new resources during that period.

## Saturday, 30 November 2024

# Ex Bureaucrat, Former Top Cop, Retired Judge: Who's On Sambhal Mosque Body

Anandiben Patel constituted a threemember Judicial Inquiry Commission, to be headed by Justice Devendra Kumar Arora (Retired), to probe the violence in Uttar Pradesh's Sambhal, ahead of an Archaeological Survey of India examination of a Mughal era mosque.he other two members of the commission are retired IAS Amit Mohan Prasad and retired IPS Arvind Kumar Jain.

#### **Scope Of Inquiry**

The commission will submit a report on whether the incident was planned or a "sudden" event, and also on the effectiveness of law and order arrangements made by the District Administration and police. The committee will also give suggestions regarding non- recurrence of such type of incidents in future. The commission will submit its report in two

#### About Justice Arora

Justice Devendra Kumar Arora, a retired judge of Allahabad High Court, has served as the chairman of UP Real Estate Regulatory Authority (RERA). Justice



University and holds a PG Diploma degree in Labor Law from Indian Law Institute, New Delhi. After practicing law in the Allahabad High Court, he was appointed as an additional judge in the High Court on 13 February, 2009 and became a regular judge from 24 December, 2010. He retired in 2019

and immediately after retirement, he was

appointed the chairman of RERA by the Chief Minister Yogi Adityanath-led government.

#### About Amit Mohan Prasad

As per his LinkedIn profile, Mr Prasad joined the Indian Administrative Service in August 1989, going on to serve in various positions, including as the District Magistrate of Meerut. During his tenure, he oversaw the conduct of three Lok Sabha and one Vidhan Sabha elections in these four

n 2015, he started Direct Benefit Transfer in Agricultural Subsidies. He also developed the cluster model of Covid vaccination in February 2020, when he was Additional Chief Secretary of Medical, Health and Family Welfare Department

#### About Arvind Kumar Jain

Mr Jain, a 1979 cadre officer, was took charge as the Director General of Uttar Pradesh Police in 2015. His appointment came just two months ahead of his retirement. However, the government extended his tenure by another three months.He holds an MA in Modern History and hails from Saharanpur.

#### Post a comment

Meanwhile, the Supreme Court on Friday will hear a plea by the Committee of Management of Jama Masjid in Sambhal against the November 19 order of the local court for the survey of the mosque. Four people died in the November 24 violence.

# Bishnoi Gang's Favourite **Destination What Delhi** Salon Shooter Said

Bishnoi Gang's Favourite Destination? What Delhi Salon Shooter Said The fake passport accessed by NDTV shows that Harsh's name was written as Pradeep Kumar and it was issued from Punjab's Jalandhar on March 26.

New Delhi. Members of the notorious Lawrence Bishnoi gang and other wanted criminals prefer to hide in the US, a sharpshooter of the group who was arrested for killing two at a Delhi salon has told the police.

The accused man, Harsh alias Chintu, has reportedly told the police that these gangsters enter America using fake passports by the "donkey route", the term that describes travelling from one place to another to migrate illegally.

That is believed to be the route taken by several gangsters, including Goldy Brar, Anmol Bishnoi, Rohit Godara, Monty Mann, and Pawan Bishnoi, who are currently in the US.

22-year-old Harsh was arrested on Thursday from the Delhi airport, where he arrived to arrange for another fake passport, officials said.

The fake passport accessed by NDTV shows that Harsh's name was written as Pradeep Kumar and it was issued from Punjab's Jalandhar on March 26. According to the police, Harsh left India on June 9 from Amritsar Airport and flew to Sharjah before heading to Azerbaijan on August 27, where he remained for several months.

Delhi salon shooting incident

On February 9, two people, identified as Sonu Tehlan and Ashish Tehlan, were shot multiple times in front of other customers and workers. The attackers fled after the attack

During investigations, the shooters were identified as Sanjeev Kumar or Sanju Dahiya and Harsh - both were previously involved in criminal cases and declared proclaimed offenders. The police had also offered a reward of ? 50,000 for their arrest. Listen to the latest songs, only on JioSaavn.comThe police had issued a lookout circular - or airport alert - for Harsh, whose alleged motive for the shootings was that the victims were leaking information on him.

#### Post a comment

Harsh had been operating on the orders of gangster Yogesh (aka Tunda), who had taken over the Gogi gang after its leader's murder. Harsh is also known to have been involved in extortion activities and had previously been arrested in connection with an extortion case. He was also recently involved in threatening several businessmen in Delhi and demanding money in the name of gangster Yogesh, reported

## **Indian Coast Guard rescues 10** stranded in Tamil Nadu amid cyclonic weather

New Delhi. The Indian Coast Guard (ICG) saved six fishermen and four jetty workers stranded off the Cuddalore coast amid cyclonic weather on Thursday. The operation followed a request from the Tamil Nadu



State Authorities, who sought assistance as deteriorating conditions and lack of road access to the location made evacuation impossible by conventional means. The six fishermen from Thaikkal Thonithurai village had ventured into the sea in private boats, which were damaged and sank due to rough weather. They, along with four workers at the abandoned Chemplast jetty located about 2 km off Chitrapettai village, found themselves stranded as the weather worsened. Responding swiftly, the ICG Regional Headquarters (East) deployed an Advanced Light Helicopter from the Coast Guard Air Station in Chennai.Braving adverse weather conditions caused by the ongoing cyclonic activity, the helicopter crew carried out the search and rescue mission with precision, evacuating all 10 individuals safely to

## 90% Top Indian Firms Favour Work From Office, More Than World Average: Survey

New Delhi. India demonstrates a strong preference for office-based work, with 90 per cent of organizations requiring employees to work from the office for at least three days a week, according to a survey by JLL, a global real estate services firm. This figure surpasses the global average of 85 per cent, placing India among the top advocates for office-based work.

The survey added, "This trend is expected to strengthen, with 54 per cent of organizations in India (43 per cent globally) anticipating an increase in office days by 2030."Indian workplaces are undergoing significant transformation as businesses increasingly adopt Artificial Intelligence (AI) in their operations. According to the survey, 95 per cent of business decision-makers in India plan to accelerate investments in AI over the next five years. The survey highlighted how AI is reshaping workforce operations and revolutionizing the design and management of

A staggering 94 per cent of businesses foresee AI changing their workforce operations, with 95 per cent planning to accelerate AI investments over the next five years," the survey stated. This study is part of a global research initiative that surveyed over 2,300 Corporate Real Estate (CRE) and business decision-makers. The survey also highlighted the growing emphasis on sustainability in the corporate sector. About 77 per cent of respondents indicated plans to increase spending on sustainability initiatives, while 70 per cent reported having well-defined programs aimed at reducing their environmental footprint.Furthermore, nearly 50 per cent of organizations expressed a willingness to pay a premium for buildings with top-tier green certifications by 2030. Despite the positive trends, challenges persist. Nearly 44 per cent of CRE leaders reported difficulties in long-term planning due to the rapidly changing organizational landscape. Another 46 per cent identified limited integration with other business units as a significant hurdle in delivering optimal value. The survey emphasized that fostering partnerships and aligning corporate goals with CRE objectives is crucial for achieving portfolio efficiency and future-ready workplace solutions. It paints a promising picture of India's workplace evolution, driven by technology and sustainability, while also highlighting areas requiring attention for smoother transitions.

## India's 1st hydrogen powered train to run between Jind, Sonipat stations on a single trip. The train will have a

New Delhi. Indian Railways is set to achieve another milestone with the launch of the country's first hydrogenpowered train. This innovative train will soon undergo a trial run between Haryana's Jind and Sonipat railway stations. The Research, Design, and Standard Organisation (RDSO) has developed the design for the train. With this breakthrough, India will join a select group of countries that have initiated the use of hydrogen as fuel for trains. Notably, this will be the first large-scale attempt globally. The design for India's first hydrogen-fuelled train is now complete. Following necessary formalities, the train is expected to undergo its final trial in the first quarter of the upcoming year. RDSO, a key wing of Indian Railways, developed the train's design with a focus on modern utility and innovation. The design was finalised and released in December 2021, and work on the project has been ongoing since then. Operations could begin as early as the first quarter of next

RDSO DEVELOPS THE DESIGN The design was unveiled at the International Innovative Rail Expo held in Lucknow. Highlighting the features, RDSO Director General Uday Borwankar stated, "RDSO consistently focusses on new and innovative projects. While hydrogen fuel has been tested in road transport globally, its use



in rail transport has not achieved significant success. India's efforts in this direction will certainly be a major achievement, especially as it aligns with the vision of sustainable energy.' TRAIN FEATURES: 8 PASSENGER

**COACHES, CAPACITY FOR 2,638 PASSENGERS** 

Although the hydrogen train does not have a name yet, the RDSO-designed model features 8 passenger coaches capable of carrying 2,638 passengers

Additionally, three coaches will be dedicated to storing hydrogen cylinders and housing integrated fuel cell converters, batteries, and air reservoirs.It is deemed suitable for short-distance travel. Currently, the integration work is underway at the Integral Coach Factory (ICF) in Chennai.

maximum speed of 110 km/h.

#### HYDROGEN TRAINS: A GLOBAL **PERSPECTIVE**

Hydrogen-powered trains use electricity generated through hydrogen and oxygen fuel cells to power the motor. While countries like Germany and China have worked on hydrogen fuel for rail transport, large-scale success has been elusive. Germany is currently the only country operating a hydrogen train, which runs with two coaches.

RDSO Director General Uday Borwankar emphasised, "Our focus on green energy makes this project highly significant."While the model displayed at the expo had "Namo Green Rail" written on it, officials clarified that an official name would be decided at the

# Sambhal case: Supreme Court pauses trial court action until High Court's order

The Supreme Court's order comes days after violence broke out in Sambhal, killing five people, following a courtmandated survey of the Mughalera Jama Masjid.

**NEW DELHI.** The Supreme Court on Friday asked the trial court in Uttar Pradesh's Sambhal not to proceed with the mosque survey case till the Shahi Idgah committee of the Jama Masjid moves the High Court. The top court's order comes days after violence broke out in Sambhal, killing five people, following a court-mandated survey of the mosque.

A bench of Chief Justice of India (CJI) Sanjiv Khanna and Justice PV Sanjay Kumar also directed that the report of the commissioner, who conducted the survey of the mosque, should be kept in a sealed cover and should not be opened in the meantime.

"Let this be pending. We want peace and harmony. You (petitioner) approach the High Court. Till then, let the trial court not take any action," CJI said. The Supreme Court's order came on a plea filed by the Sambhal Shahi Jama Masjid Committee challenging the order passed by the trial court



commissioning the survey of the mosque The trial court order came following claims that the mosque was built by Mughal emperor Babar in 1526 after demolishing a temple that stood there. The top court said the petition filed by the mosque committee before the High Court should be listed within three working days. The Supreme Court, however, kept the committee's plea before it pending and ordered it to be listed in the

week starting January 6, 2025."We clarify we have not expressed any opinion on the merits of the matter. We are not disposing of the present plea. Re-list in the week commencing January 6, 2025," the court said.

Appearing for the mosque committee, senior advocate Huzefa Ahmadi told the top court that the trial court order was capable of causing "great public mischief". "Ten suits are pending across the length and breadth of the

country... the modus operandi is on the first day only, the surveyor is appointed," he said. The Supreme Court asked the trial court to not take any steps till January 8 while asking the district administration to ensure peace and harmony. "We do not want anything to happen. See Section 43 of the mediation act... the district should form mediation committees. We have to be absolutely neutral," the court further said.

# Cameras In Corbett National Park Being Misused To Intimidate Women: Study

New Delhi. Cameras and drones originally planted in Corbett National Park for conservation activities, such as monitoring animals, are being deliberately misused by local government officials and men to surveil women without consent, a study has found.

The study, published in the journal Environment and Planning F, revealed that forest rangers intentionally flew drones over local women to scare them and prevent them from collecting natural resources, despite their legal entitlement to do so. A total of 270 residents around the Corbett Tiger Reserve in Uttarakhand, including women, were interviewed over 14 months by researchers from the University of Cambridge, UK.

'We argue that the use of digital technologies for forest governance, such as camera traps and drones, tends to transform these forests into masculinised spaces that extend the patriarchal gaze of society into the forest," the authors wrote in the study.Researcher and lead author Trishant Simlai reported that the women, who had previously found sanctuary in the forest away from their mendominated villages, told him they felt watched and inhibited by camera traps, causing them to talk and sing much more quietly. This, he said, increases the chances of surprise encounters with potentially dangerous animals, such as elephants and tigers. The national park is known to provide respite to women, who, in addition to gathering firewood, spend long hours there to escape difficult situations at home, such as violence and alcoholism. They often share their stories and

express themselves through traditional songs, the researchers said. The women told Simlai that new surveillance technologies, deployed under the guise of wildlife monitoring projects, were being used to intimidate and exert power over them -- by monitoring them as well."A photograph of a woman going to the toilet in the forest -- captured on a camera trap supposedly for wildlife monitoring -- was circulated on local Facebook and



WhatsApp groups as a means of deliberate harassment," Trishant Simlai, a researcher at the University of Cambridge's Department of Sociology, said.

Simlai discovered that local women form strong bonds while working together in the forest, singing while collecting firewood to deter attacks by elephants and tigers. When women see camera traps, they feel inhibited because they don't know who's watching or listening to them, resulting in them behaving differently,

often becoming much quieter, which puts them in danger, he added.One woman he interviewed has since been killed in a tiger attack, Simlai said. "Nobody could have realised that camera traps put in the Indian forest to monitor mammals actually have a profoundly negative impact on the mental health of local women who use these spaces," Simlai said.Coauthor Chris Sandbrook, a conservation social scientist and professor of conservation and society at the University of

Cambridge, said, "These findings have caused quite a stir in the conservation community. It's very common for projects to use these technologies to monitor wildlife, but this highlights the need to ensure they're not causing unintended harm." Surveillance technologies that are supposed to track animals can easily be used to watch people instead - invading their privacy and altering the way they behave, Sandbrook said.

## Brazil's Bolsonaro hoping Trump will aid political comeback: Report

WASHINGTON. Brazil's ex-president Jair Bolsonaro is hoping that incoming US leader Donald Trump will support his political comeback in 2026 elections, according to an interview published Thursday, despite facing charges over an alleged coup plot.

The Wall Street Journal reported that Bolsonaro is banking on Trump pressuring Brazilian judges to delay enforcing a court ruling that bars him from office until 2030 for baselessly trashing Brazil's voting system ahead of the 2022 elections he lost.

Trump is back, and it's a sign we'll be back too," said Bolsonaro, who the newspaper reported had been in close contact with the Republican since his US election victory in early November.A spokesperson for Trump's incoming administration did not respond to a request for comment, the Wall Street Journal said.

Bolsonaro -- a hard-right populist widelydubbed the "Tropical Trump" during his 2019-2023 term -- has remained politically active since leaving office, recently campaigning for the right-wing Liberal Party ahead of October municipal elections. Like Trump, he has blamed his legal issues on apparent political persecution.Brazilian police have accused Bolsonaro of participating in a 2022 plot to prevent President Luiz Inacio Lula da Silva from taking office, and of being aware of an alleged plan to assassinate the incumbent. He is accused alongside 36 other people named as co-conspirators in a police report made public this week. Brazil's attorney general is examining the allegations to see if the evidence

## Taiwan Reports Surge In Chinese Military Activity, **Detects 33 PLA Aircraft**

World Taiwan's Ministry of National Defense (MND) on Friday reported an increase in Chinese military activity around the island, detecting over 30 PLA aircraft and 8 PLAN vessels around Taiwan.

The details were shared in a post on X.

'33 PLA aircraft and 8 PLAN vessels operating around Taiwan were detected up until 6 a.m. (UTC+8) today. 21 of the aircraft crossed the median line and entered Taiwan's northern, southwestern and eastern ADIZ. We have monitored the situation and responded accordingly."Chinese incursions around Taiwan have increased recently. In response, Taiwan has stepped up security along its maritime borders. Taiwan's armed forces conducted a comprehensive air defense drill on Thursday as China reportedly prepares for its third large-scale military exercise, Joint Sword-2024C, near Taiwan. The drill, which involved air, naval, and missile defense units, was conducted to strengthen readiness against potential aerial and missile threats, according to Taiwan News.The Air Force Command stated that the exercise took place from 5 am to 7 am, deploying fighter jets, naval vessels, and air defence missile systems. Aircraft such as the Indigenous Defence Fighter (IDF), Mirage 2000, F-16, and C-130 transport planes were utilised, along with ground-based air defence missile units.Recently, Taiwanese President, Lai Ching-te attended the completion ceremony for the #ROCN Shuei-Sing Barracks. The base will serve as the new home for the Taiwanese Navy Underwater Operations Unit and enhance its training capabilities. Taiwan President Lai Ching-te convened a high-level national security conference in which he assured the public about the government's commitment to neutralising any threat to Taiwan's democracy and security after China staged a large-scale military drill around the island. He made his remarks in response to the Chinese People's Liberation Army's (PLA) announcement of military drills, named "Joint Sword-2024B," in the Taiwan Strait and surrounding areas, which were described as a "stern warning" to advocates of Taiwan independence, according to the

## Putin: Russia will use all weapons at disposal if Ukraine gets N-arms

Taipei Times.

World President Vladimir Putin said Thursday that Russia would use all weapons at its disposal against Ukraine if Kyiv were to acquire nuclear arms. The NYT reported last week that some unidentified Western officials had suggested US President Joe Biden could give Ukraine nuclear weapons before he leaves office. If the country which we are essentially at war with now becomes a nuclear power, what do we do? We will use all means of destruction available to Russia," Putin said at a presser in Kazakhstan. "If officially someone were to transfer something, then that would mean a violation of all the nonproliferation commitments they have made," Putin said. He also said it was practically impossible for Ukraine to produce a nuclear weapon, but that it might be able to make some kind of "dirty bomb", a conventional bomb laced with radioactive material. In that case, Russia would respond appropriately, he said.Putin also said that Russia may use its new Oreshnik hypersonic missile to attack "decisionmaking centres" in Kyiv in response to Ukraine's firing of Western missiles at Russian territory. Russia has not so far struck Ukrainian ministries, parliament or president's office in the 33-month war.

Kyiv is heavily protected by air defences, but Putin says the Oreshnik, which Russia fired for the first time at a Ukrainian city last week, is "incapable of being intercepted". "At present, the ministry of defence and the general staff are selecting targets. These could be military facilities, defence and industrial enterprises, or decision-making centres in Kyiv."Putin praised US Prez-elect Trump as an experienced and intelligent politician, but said he did not believe he was safe. Putin said he had been shocked by the way the US election campaign had unfolded.

# Saudi Arabia to host UN talks on drought, desertification

Saudi Arabia is aiming to restore 40 million hectares of degraded land.

**▲** A picture shows a view of the Al-Ghat National Park on November 28, 2024.

RIYADH. Saudi Arabia will host the COP16 UN conference on land degradation and desertification next week as the top oil exporter pitches itself as an environmental defender despite criticism of its role at climate talks.UN Secretary-General Antonio Guterres has called the meeting for the United Nations Convention to Combat Desertification (UNCCD) a "moonshot moment" to protect and restore land and respond to drought. Activists accused Saudi Arabia, the world's biggest oil exporter, of trying to water down calls to phase out fossil fuels at last week's COP29 UN climate talks in Azerbaijan.

However, the subject of desertification is

close to home for the Gulf kingdom, which has one of the biggest deserts on the planet."We are a desert country. We are exposed to the harshest mode of land degradation which is desertification," deputy environment minister Osama Faqeeha told AFP."Our land is arid. Our rainfall is very little. And this is the reality. And we have been dealing with this for centuries."Land degradation disrupts ecosystems and makes land less productive for agriculture, leading to food shortages and spurring

migration.Land is considered degraded when its productivity has been harmed by human activities like pollution or deforestation. Desertification is an extreme form of degradation. The last gathering of parties to the convention, in Ivory Coast in 2022, produced a commitment to "accelerating the restoration of one billion hectares of degraded land by 2030". But the UNCCD, which brings together 196 countries and the European Union, now says 1.5 billion hectares (3.7 billion acres) must be restored by decade's end to combat crises including escalating droughts. Saudi Arabia is aiming to restore 40 million hectares of degraded land, Faqeeha told



AFP, without specifying a timeline. He said Riyadh anticipated restoring "several million hectares of land" by 2030.So far 240,000 hectares have been recovered using measures including banning illegal logging and expanding the number of national parks from 19 in 2016 to more than 500, Faqeeha said.Other ways to restore land include planting trees, crop rotation, managing grazing and restoring wetlands. The COP29 climate talks yielded a hard won \$300 billion climate finance deal that poorer nations most at risk of worsening disasters dismissed as insultingly low.UNCCD executive secretary Ibrahim Thiaw told AFP he hoped COP16 would result in an agreement to

accelerate land restoration and develop a "proactive" approach to droughts. "We have already lost 40 percent of our land and our soils," Thiaw said."Global security is really at stake, and you see it all over the world. Not only in Africa, not only in the Middle East."Faqeeha said he hoped the talks would bring more global awareness to the threat posed by degradation and desertification."If we continue to allow land to degrade, we will have huge losses," he said."Land degradation now

is a major phenomenon that is really happening under the radar."Saudi Arabia's high oil production, resulting in eyewatering profits for oil giant Aramco, routinely draws the ire of climate activists.But its exposure to desertification could give it more credibility during the Riyadh talks."With the desertification fight, (Saudi Arabia is) not necessarily directly contributing to the problem, whereas with climate change, it obviously is," said Patrick Galey, senior fossil fuels investigator for Global Witness.

"Saudi Arabia can, with some legitimacy, claim to be standing up for the little guy when it comes to desertification, because it is directly affected."

# No Minority Feels Safe In Bangladesh': Former USCIRF Commissioner Says Muhammad Yunus Is 'Failing'

Washington DC. Johnnie Moore, former Commissioner of the United States Commission on International Religious Freedom (USCIRF), has slammed the Bangladesh interim government over the situation of Hindus and other minorities in Bangladesh, saying "there isn't a minority in the country that doesn't feel under threat right now" and that "Muhammad Yunus is failing."

In an interview with ANI, Moore said it is the government's first responsibility to protect those under threat. He also said that this is a moment of "existential threat not only for the minorities of Bangladesh but for the entire country". Moore criticised the arrest of priest Chinmoy Krishna Das by Bangladesh Police and said perception among minorities is "if they'll go after him, they'll go after any of us". The former USCIRF Commissioner said the global Christian community stands with the Hindu community in Bangladesh.

Bangladesh isn't just a Muslim country. It's a Muslim-majority country that has many, many minorities. There isn't a minority in the country that doesn't feel under threat right now. That's been globally evident in recent days as this high-profile arrest has taken place of not just a leader of the Hindu

Bangladeshi community, but really a very serious religious figure. I think the perception is if they'll go after him, they'll go after any of us. I want to be crystal clear, that the global Christian community stands with the Hindu



community in Bangladesh. It is the first responsibility of a government to protect those under threat. The religious minorities of Bangladesh are really feeling it now and they deserve our support," he said. We're not sure who's really doing this, but let me just say, the way I see it, Muhammad Yunus is failing. That's what's happening in Bangladesh now. As, the leader of the country, as the interim leader of the country, there are no aspirations for the Bangladeshi people. If you can't manage a very, very simple component of civil society, which is you have to protect people, people have to be safe. If the rule of law becomes so inefficient that instead of getting due process, a lawyer is killed. This is unbelievable, I was astonished by the response of Mr Yunus in the Bangladeshi government. They are saying this is exaggerated. They're saying that this isn't as big a deal as it seems," he added.

Moore said the visuals and the reports that are coming out of Bangladesh show that how a Hindu priest was first arrested then he was denied bail by the local court. "Then the lawyer defending the priest was killed amid protests outside the court where the lawyer was hacked to death by protesters, dragging him out of his chamber. It's become a major rallying point in the country," Moore said.

"As the leader of the country, as the interim leader of the country, there are no aspirations for the Bangladeshi people if you can't manage a very, very simple component of civil society, which is you have to protect people. People have to be safe. And you certainly, you certainly cannot have a vibrant democratic country...if the rule of laws becomes so inefficient that instead of getting due process, a lawyer

## Donald Trump's call for 'energy dominance' is likely to run into real-world limits

**WASHINGTON.** President-elect Donald Trump is set to create a National Energy Council that he says will establish American "energy dominance" around the world as he seeks to boost U.S. oil and gas drilling and move away from President Joe Biden's focus on climate change. The energy council — to be led by North Dakota Gov. Doug Burgum, Trump's choice to head the Interior Department - will be key in Trump's pledge to "drill, drill, drill" and sell more oil and other energy sources to allies in Europe and around the globe.he new council will be granted sweeping authority over federal agencies involved in energy permitting, production, generation, distribution, regulation and transportation, with a mandate to cut bureaucratic red tape, enhance private sector investments and focus on innovation instead of "totally unnecessary regulation," Trump said.

But the president-elect's energy wishes are likely to run

into real-world limits. For one, U.S. oil production under Biden is already at record levels. The federal government cannot force companies to drill for more oil, and production increases could lower prices and reduce profits. A call for energy dominance — a term Trump also used in his first term as president — "is an Book. Whether Trump achieves energy dominance — Mexico, two of the largest sources of U.S. oil imports. called Burgum "a steady hand on the tiller" with experience in fossil fuels and renewables.

# Israeli Fighter Jet Launches Airstrike In Lebanon Amid Ceasefire

Jerusalem. An Israeli fighter jet launched an airstrike in southern Lebanon, said the Israel Defense Forces (IDF) in a statement, claiming the attack aimed to "thwart

This is reportedly the first strike of its

kind took place on Thursday since the ceasefire deal between Israel and Hezbollah in Lebanon took effect early Wednesday morning, Xinhua news agency reported. The IDF statement said that "terrorist activities were identified in a facility used by Hezbollah to store mid-range rockets in southern Lebanon," adding, "The IDF troops are deployed in southern Lebanon, operating to prevent any violation of the ceasefire." Earlier on Thursday, the IDF confirmed that it conducted a drone strike in southern Lebanon in the morning, describing it as a warning

shot. The IDF said several "suspects,"

some with vehicles, entered areas in



southern Lebanon, violating the ceasefire agreement. In response, the military fired a warning shot near a vehicle in the Markaba area, aiming to deter it without causing casualties. However, Lebanese military sources reported that at least two individuals were injured due to the strike.

Meanwhile, unnamed official and military sources in Lebanon reported four additional injuries in a series of Israeli attacks on the village of Taybeh in southern Lebanon, accusing the Israeli army of breaching the truce.

They added that more such attacks took place in the towns of Al-Bissariye, Shebaa, and Khiam, as well as in the villages of Kfarchouba, Halta, Tayr Harfa, Mays al-Jabal, Kafr Kila, and Aitaroun.

Although a cautious calm prevailed across the border areas in southern Lebanon since the entry into force of a ceasefire between Hezbollah and the Israeli army at 4:00 a.m. local time on Wednesday, the two sides have been trading accusations of ceasefire violations. Stay informed on all the latest news, real-time breaking news updates, and follow all the important headlines in

india news and world News on Zee

opportunity, not a requirement," for the oil industry to move forward on drilling projects under terms that are likely to be more favorable to industry than those offered by Biden, said energy analyst Kevin however he defines it — "comes down to decisions by private companies, based on how they see supplydemand balances in the global marketplace," said Book, managing partner at ClearView Energy Partners, a Washington research firm. Don't expect an immediate influx of new oil rigs dotting the national landscape, he said. Trump's bid to boost oil supplies and lower U.S. prices — is complicated by his threat this week to impose 25% import tariffs on Canada and U.S. The oil industry warned the tariffs could raise prices and even harm national security." Canada and Mexico are our top energy trading partners, and maintaining the free flow of energy products across our borders is critical for North American energy security and U.S. consumers," said Scott Lauermann, speaking for the American Petroleum Institute, the oil industry's top lobbying group. American Fuel & Petrochemical Manufacturers, which represents U.S. refineries, also opposes potential tariffs, saying in a statement that "American refiners depend on crude oil from Canada and Mexico to produce the affordable, reliable fuels consumers count on every day."Scott Segal, a former Bush administration official, said the idea of centering energy decisions at the White House follows an example set by Biden, who named a trio of White House advisers to lead on climate policy. Segal, a partner at the law and policy law firm Bracewell,

# Israel launches airstrike on Lebanon day after ceasefire, says Hezbollah violated truce

Israel said they were violating the ceasefire agreement, without providing details. Lebanon's state-run National News Agency said two people were wounded.

**BEIRUT.** The Israeli military on Thursday said its warplanes fired on southern Lebanon after detecting Hezbollah activity at a rocket storage facility, the first Israeli airstrike a day after a ceasefire between Israel and Hezbollah took hold. There was no immediate word on casualties from Israel's aerial attack, which came hours after the Israeli military said it fired on people trying to return to certain areas in southern Lebanon.Israel said they were violating the ceasefire agreement, without providing details. Lebanon's state-run National News Agency said two people were wounded. The back-to-back incidents stirred unease about the agreement, brokered by the United States and France, which includes an initial twomonth ceasefire in which Hezbollah militants are to withdraw north of the Litani River and Israeli forces are to return to their side of the border. The buffer zone would be patrolled by Lebanese troops and U.N. peacekeepers.

On Thursday, the second day of a ceasefire after more than a year of bloody conflict between Israel and Hezbollah, Lebanon's state news agency reported that Israeli fire targeted civilians in Markaba, close to the border, without providing further details. Israel said it fired artillery in three other locations near the border. There were no immediate reports of casualties.An



Associated Press reporter in northern Israel near the border heard Israeli drones buzzing overhead and the sound of artillery strikes from the Lebanese side. The Israeli military said in a statement that "several suspects were identified arriving with vehicles to a number of areas in southern Lebanon, breaching the conditions of the ceasefire.' It said troops "opened fire toward them" and would "actively enforce violations of the ceasefire agreement."Israeli officials have said forces will be withdrawn

gradually as it ensures that the agreement is being enforced. Israel has warned people not to return to areas where troops are deployed, and says it reserves the right to strike Hezbollah if it violates the terms of the truce.A Lebanese military official said Lebanese troops would gradually deploy in the south as Israeli troops withdraw. The official spoke on condition of anonymity because they were not authorized to brief media. The

ceasefire agreement announced late Tuesday ended 14 months of conflict between Israel and Hezbollah that began a day after Hamas' Oct. 7, 2023 attack out of Gaza, when the Lebanese militant group began firing rockets, drones and missiles in solidarity.Israel retaliated with airstrikes, and the conflict steadily intensified for nearly a year before boiling over into allout war in mid-September. The war in Gaza is still raging with no end in sight.

### Joe Root out for duck in 150th Test, goes past Virat Kohli on unwanted WTC list

New Delhi. Star England batter Joe Root endured a bitter milestone in his storied career during the first Test against New Zealand at Hagley Oval. Root, playing his 150th Test match, was dismissed for a fourball duck by New Zealand debutant Nathan Smith.Root's dismissal, his 13th in Test cricket and eighth in the World Test Championship (WTC) era, elevated him to an unenviable list of batters with the most ducks in the WTC, surpassing the likes of Virat Kohli and Steve Smith, both of whom have seven. This lean patch continues a difficult run for Root, who has scored just 90 runs in five innings since his double-century against Pakistan in Multan.

Smith, a debutant seamer, had a dream start, dismissing England's Jacob Bethell and Root in the same over, reducing the visitors to 45/3 after Zak Crawley's early exit. England's struggles were compounded by Ben Duckett's dismissal, leaving them reeling at 71/4. However, a resilient 103-run stand between Ollie Pope (59\*) and Harry Brook (54\*) brought some stability, with England reaching 174/4 at tea, still 174 runs behind New Zealand's first-innings total of



Root's duck in his milestone 150th Test match places him in an exclusive yet undesirable club, joining Australian legends Steve Waugh and Ricky Ponting as the only batters to record ducks in their 150th Test appearances. Earlier in the day, England dismissed New Zealand for 348, with Glenn Phillips (58\*) anchoring the tail after Kane Williamson's composed 120 on Day 1. England's bowlers Brydon Carse (4/64) and Shoaib Bashir (4/69) excelled, but the visitors faced immediate setbacks in reply. Harry Brook and Ollie Pope's counterattacking 150-plus partnership provided hope, but England's task remains daunting with a significant deficit to overcome and New Zealand's pace attack firing on all cylinders.

#### IPL: Too many Australians in **Punjab Kings Ricky Ponting** reacts to criticism

New Delhi. Punjab Kings head coach Ricky Ponting has reacted to criticism about making the side mini-Australia. Punjab bought 6 players in the IPL mega-auction on November 24-25. The team made fresh

signings after retaining only two players. The Punjab side RTMed Arshdeep Singh for a massive amount of Rs 18 crore and majorly made a fresh side with 5 Australian players including the likes of Glenn Maxwell and Marcus Stoinis. Speaking in a media interaction, Ponting said that the players that Punjab bought in the IPL auction fit their roles perfectly. We have brought some of the



best young Indian talent into our group, which is very exciting. So, our scouts have done a great job and worked really hard and well to make sure that the auctions go exactly how we wanted them to," said head coach Ricky Ponting."We have (a few Australians) and I'll probably get some criticism. I think we have got five Aussies out of our complement of eight overseas. But when you look at the slots that we needed, the players that we have got fitted into those roles perfectly," Ponting reacted to the criticism.

To have Marcus Stoinis and Glenn Maxwell back to Kings is huge as they have both played here in the past. A couple of new guys, including Xavier Bartlett, Aaron Hardie, and Josh Inglis, are coming into the IPL for the first time, which is also really exciting for us," added Ponting. Ponting adding Australian players to the roster is nothing new. In the 2024 edition of the Indian Premier League, Ponting introduced Jake Fraser-McGurk, who was a massive hit in the tournament.

# Simona Halep calls out double standards after Swiatek escapes lengthy doping ban

Former World No.1 Simona Halep slammed the International Tennis Integrity Agency for double standards on doping bans. Halep, who was once banned for 4 years hit out at the association after Iga Swiatek received a 1-month ban for doping.

**New Delhi.** Former World No.1 tennis player Simona Halep slammed the International Tennis Integrity Agency over their double standards while dishing out doping bans. In a lengthy Instagram post, Halep slammed the agency for trying to ruin her career, and being partial against her. Halep's comments came after the ITIA handed a one-month ban to Iga Swiatek after she tested positive for a banned substance. Halep pointed out at the discrepancy between her ban and the current World No.1's and said that she was left frustrated at the twilight of her career due to the unfair treatment. "I'm sitting and trying to understand, but it's really impossible for me to understand something like this. I stand and ask myself, why is there such a big difference in treatment and judgment? I can't find and I don't think there can be a logical answer. It can only be bad will from ITIA, the organization that has done absolutely everything to destroy me despite the evidence," Simona Halep wrote on Instagram."I really wanted to destroy the last years of my career, I wanted something that I could never have imagined would be wanted. I always believed in good, I believed in fairness, I believed in goodness. It was painful, is painful and maybe the injustice that was done to me will always be painful. How is it possible that in identical cases

happening around the same time ITIA to have completely different approaches to my detriment. How could I accept that the WTA and the players council did not want to return me the ranking that I deserved?!" Halep said."I lost two years of my career, I lost many nights when I couldn't sleep, thoughts, anxiety, questions without answers... but I won justice. It turned out that it was a contamination and that the biological passport was a pure invention. And I won something else, my soul remained clean!! I feel disappointed, I feel mad, I feel frustrated, but I do not feel evil even now. I am grateful for the support and



unconditional love of those who have been by my side every day. THANK YOU! In all the naughtiness, I also received love because those who offered me love in those moments really knew me! Perhaps this is the biggest victory! As we know well that every morning the sun rises for everyone, but it's good to rise finding yourself with a flawless soul! And that's how I am, packed and proud of what I am!" concluded Halep.

#### SWIATEK'S DOPING BAN

World number two and five-times Grand Slam champion Iga Swiatek accepted a one-month suspension after testing positive for banned substance trimetazidine (TMZ), the International Tennis Integrity Agency said

on Thursday. Swiatek tested positive in an out-of-competition sample in August but the ITIA, which runs tennis's anti-doping programme, accepted that it was caused by contamination of her medication melatonin, which was manufactured and sold over the counter in her native Poland.wiatek said she had been taking it for jet lag and sleep issues and as there was no significant fault or negligence, the ITIA ruled it was "the lowest end of the range" and offered the reigning French Open champion a one-month suspension which the 23-year-old accepted."The player was provisionally suspended from Sept. 12 until Oct. 4, missing three tournaments, which counts towards the sanction, leaving eight days remaining, the ITIA said in a statement."

Swiatek is not the first world number one to fail a doping test this year after Italy's Jannik Sinner, the men's top-ranked player, also tested positive for anabolic agent clostebol.

However, Sinner was cleared of wrongdoing by an independent tribunal ahead of the U.S. Open, which he went on to win. The World Anti-Doping Agency (WADA) has appealed to the Court of Arbitration for Sport (CAS) against the tribunal's finding of "no fault or negligence". With two of the biggest names in tennis escaping lengthy bans for antidoping violations, questions are being raised about the sport's reputation.

# Shubman Gill returns to training in big boost to India's pink ball Test hopes

ahead of the Adelaide Test match as batter Shubman Gill returned to practice on Friday, November 29. Gill, who had been out due to a thumb fracture, was spotted in the India nets at Canberra ahead of the tour game against Prime Minister's XI.India are set to play their second Test match against Australia in Adelaide. The team will take on Australia in a Pink Ball Test match - traditionally a big strength for Australia in the 5-match series. Shubman, who had not been in action due to his rehabilitation process was seen leaving the ball well in the nets. Gill got hurt while fielding on the second day of the intra-squad match simulation ahead of the Perth Test. He was seen in considerable pain and immediately left the field for further scans. India Today had learnt at the time that Gill had fractured his left thumb and had been ruled out of the opening game. In case the batter does return to the playing XI, the India captain Rohit Sharma is poised to



return to the playing XI, which will displace KL Rahul from his spot. With Shubman Gill expected to return to the line-up, Rahul might have to drop further down the order, possibly at No.5 or No.6.

Apart from Gill, India captain Rohit Sharma was also spotted in the nets. The India captain had started his practice midway through the Perth Test match. He was seen in good touch on Friday.

visitors have to rejig their entire line-up. AUS vs IND: INDIA vs PM XI - ALL YOU

-Shubman Gill is in contention to play the 2nd Test in Adelaide

-Gill fractured his thumb ahead of the Perth Test match

**♣** Rohit Sharma also joined Gill in practice

India are set to play a warm-up fixture to prepare for their second Test against Australia which will be a day-night affair. The Rohit Sharma-led side will take on Prime Minister's XI in a two-day pink ball-Test at Manuka Oval, Canberra from November 30. It will be a much-needed practice for the visitors who last played a day-night game in March, 2022 against Sri Lanka in Bengaluru. When and where to watch India vs Prime Minister's XI warm-up game? The India vs Prime Minister's XI warm up fixture will be live streamed on Hotstar while the live broadcast will be available on Star Sports on November 30 from 9.10 am onwards

## Don't want 'confident' Virat Kohli for rest of series vs Australia: Allan Border

New Delhi. Former Australian captain Allan Border has called out Australia's failure to contain Virat Kohli during the first Test in Perth, warning that the star Indian batter's resurgence could jeopardise the Pat Cummins-led side's chances in the Border-Gavaskar Trophy (BGT). Kohli, who had gone 18 months without a Test century, silenced his critics with an unbeaten 100 in the second innings, helping India clinch a commanding 295-run victory.Border criticised Australian captain Pat Cummins for field placements and tactics, arguing they allowed Kohli to regain his confidence far too easily. "I was really disappointed in the way we let Kohli roll on to a hundred without much resistance," Border told SEN radio on Friday morning. "We don't want this guy full of confidence for the rest of the series.

Border's concerns were echoed by Matthew Hayden and Mark Taylor, who criticised Cummins for failing to apply early pressure on Kohli. Former Australian batters pointed out that the lack of close-in fielders allowed Kohli to settle in easily and regain his form."They missed a few tricks with Virat



Kohli in the early part of his innings. Nathan Lyon had mid-on back, one on the off-side catching and a mid-wicket. I felt like it was so easy for him to get off strike," Hayden had told Channel 7 after India's win.

You can't cut a sucker an even break when a bloke is under pressure as he was. The field we actually finished with - two slips, no point, a man straight - it offered up the outside edge of his bat as well. He found it a little more frustrating. When he got the bit between the teeth, it was too late. Hayden also highlighted missed opportunities during India's earlier batting partnerships, particularly with Yashasvi Jaiswal, who looked susceptible to short-pitched deliveries. He criticized the delayed use of such strategies and pointed to Australia's "shell-shocked" approach following their subpar batting performance in the first innings.

# Europa League: Man United fight back for Amorim's 1st win, Spurs drop points vs Roma

New Delhi. Manchester United staged a thrilling comeback to defeat Norwegian side Bodo/Glimt 3-2, securing their first Europa League victory under new manager Ruben Amorim. Meanwhile, Tottenham Hotspur were denied all three points dramatically as AS Roma salvaged a 2-2 draw with a last-gasp goal on Thursday.

#### **United's Resilience at Old Trafford**

At Old Trafford, the match began with a moment of fortune for United. Within the opening minute, Bodo/Glimt goalkeeper Nikita Haikin mishandled a back pass under pressure from Rasmus H, jlund, leaving Alejandro Garnacho with an easy tap-in. However, Bodo/Glimt responded emphatically. Håkon Evjen's stunning 19thminute strike into the top corner brought the visitors level, and Philip Zinckernagel muscled past Tyrell Malacia to beat André Onana, putting the Norwegian underdogs ahead and shocking the home crowd. United rallied before halftime. Noussair Mazraoui's



precise delivery found H jlund, who controlled the ball brilliantly before firing a clinical finish to equalize. The Danish striker struck again shortly after the interval, guiding Manuel Ugarte's low cross into the net to give United the lead.Despite dominating the second half, United were unable to extend their advantage and relied on two key saves from Onana to secure the

The result lifted United to 12th in the standings with nine points, while Bodo/Glimt remained seventh with seven points. Spurs Denied Victory by Roma's Late

StrikeIn North London, Tottenham Hotspur looked poised for a win but were left frustrated as Roma's Mats Hummels scored a late equalizer in stoppage time. Spurs took an early lead when Son Heung-min converted a fifth-minute penalty after Hummels fouled Pape Matar Sarr. Roma leveled in the 20th minute through Evan N'Dicka, who finished from Paulo Dybala's free kick delivery. Roma appeared to have turned the tide when they scored again, but the goal was ruled out for offside. Tottenham regained the lead in the 33rd minute as Dejan Kulusevski set up Brennan Johnson for a powerful low strike. However, despite dominating much of the match, Spurs failed to close the game out. In added time, a Roma corner initially cleared by Spurs was recycled into the box, where Hummels pounced to secure an unlikely draw for José Mourinho's side. The result leaves Spurs in ninth place with 10 points, while Roma sit 21st with six points, keeping both teams within striking distance of advancing to the

# AUS vs IND: Mike Hussey backs 'defensive' Labuschagne to overcome form slump

Border-Gavaskar Trophy: Michael **Hussey has backed Marnus** Labuschagne, attributing his form slump to mental adjustments rather than technical issues. Labuschagne has scored just 123 runs at an average of 13.66 in his last 10 Test innings.

Hussey has thrown his support behind underfire batsman Marnus Labuschagne, attributing his recent slump in form to mental adjustments rather than technical flaws. Labuschagne, widely regarded as one of the world's premier batsmen, has endured a

torrid run of form, managing only 123 runs at a paltry average of 13.66 across his last 10 Test innings. His struggles were on full display during the first Test against India in Perth, where he registered scores of just 2 and 3 as Australia succumbed to a crushing 295-run defeat.Critics have questioned Labuschagne's technique, but Hussey believes the root of the problem lies in his approach to the game. "I actually went back and had a look at some of his highlights of some of his great innings from a few years back. It was just to see if I could see anything different than what we've been seeing in the last week or so," Hussey told SEN.

New Delhi. Former Australia batter Michael Hussey suggested Labuschagne's attempts to shoulder greater responsibility as a senior player may have led to an overly cautious mindset. "From a technical perspective, there's actually not a lot of difference from when he was playing really well in scoring a lot of runs compared to the last Test match



against India. The biggest difference I've noticed is just his intent to score. He's probably looking at it thinking, 'I'm a senior player now, I've got to take responsibility, I've got to bat time, be there for the team, soak up the pressure and all of that'. That gets you into a tentative defensive frame of mind of batting time, being there and being patient. Whereas when I watched some of those

highlights from a few years back, he was just confident and decisive in everything he did, even in defence and when he was letting the ball go he was getting into really strong positions."The 29-year-old Labuschagne took a proactive step to address his form on Thursday, returning to the basics with an intense nets session alongside a close friend. Hussey is optimistic that a mental shift can help Labuschagne rediscover his touch.

'I feel as though it's something that can be fixed really quickly just with a mindset shift," Hussey said."If he can just change that mindset of just looking to occupy the crease ... into, 'Whatever I do, I'm going to do it confidently, decisively and be a little bit more positive with an intent to score'. I feel like he can turn it around really quickly.'

australia will hope Labuschagne regains his form ahead of the second Test against India, starting December 6 at the Adelaide Oval. A strong performance from their No.3 will be crucial as the hosts aim to level the series.

**Kajol Captures A Priceless Hug** 

From Son Yug In Viral Post,

## Saturday, 30 November 2024



ajol and Ajay Devgn are proud and loving parents to Nysa Devgan and Yug Devgan, and they never shy away from expressing their affection for their kids. Recently, Kajol took to Instagram to share an adorable moment that has melted hearts online, with one fan calling it the "cutest thing on the internet."In the picture, Yug Devgan is seen giving his mom the warmest hug, and it's pure love. Adding to the charm of the photo, Kajol is holding their pet dog, whose reaction has everyone talking. The caption accompanying the post read: "Four arms four paws and one giant hug..happy 2nd birthday to my doggy baby, #pawsitivevibesonly #dogsofinstagram #notyouraveragepup#barkingmad#wooflife."

Fans were quick to shower the post with love. One user wrote, "Cutest thing on the internet today." Another commented, "Having a son is today." Another commented, "Having a son is the most beautiful feeling in the world." Others chimed in with, "Unconditional love. So heart-touching," and, "This is so wholesome, much love to you, your family, and your doggy."Kajol and Ajay frequently share glimpses of their family life. Back in October 2024, they were spotted together at a Durga Puja pandal, where Kajol's playful side stole the show. In a video, Kajol humorously pinched Ajay to get him to pose properly for a family photo. Standing between Kajol and Yug, Ajay initially looked away, prompting Kajol to Ajay initially looked away, prompting Kajol to playfully pinch his hand. Ajay quickly responded by wrapping an arm around her shoulder, creating the perfect family frame.

Their son Yug added to the sweetness of the moment with his priceless reactions. Towards the end of the video, he teasingly interacted with Ajay, adding a touch of mischief to the heartwarming family moment. On the professional front, Kajol is gearing up for her next big release, Sarzameen, co-starring Ibrahim Ali Khan and Prithviraj Sukumaran. The patriotic drama is set to hit theaters around Republic Day 2025.

#### Game Changer Song NaaNaa Hyraanaa: Kiara Advani And Ram Charan **Romance Against Stunning Locations**



he excitement around Game Changer is growing as the makers have confirmed that the film, starring Ram Charan and directed by Shankar, will release on January 10, 2025, for Sankranti. After several delays, the release date is now set, and promotions have begun. Following the teaser launch in Lucknow, the team has now released the third single, titled NaaNaa Hyraanaa. The song, composed by Thaman S and sung by Karthik and Shreya Ghoshal, features lyrics by Ramajogayya Sastry, and promises to deliver the grand style that Shankar is known for.

The lyrical video featuring Kiara Advani and Ram Charan is a visual and auditory treat. The song, set against a breathtakingly picturesque backdrop, elevates the entire experience, with the stunning location almost stealing the spotlight. Adding to this charm are Kiara and Ram Charan, who sizzle in coordinating outfits that highlight their palpable chemistry. Vocally, the track soars to greater heights thanks to the soulful voices of Shreya Ghoshal and Karthik.

Game Changer marks a much-awaited return for director S Shankar, known for his knack for crafting intense political thrillers. In this film, Ram Charan stars as an IAS officer who takes on a corrupt system, bringing both brains and brawn to his role. The over one-minute teaser captures his transformation from a determined student preparing for his UPSC exams to a government officer unafraid to take on powerful enemies. Ram Charan's character, in a brief but impactful line, declares, "I am unpredictable," hinting at the complex layers of his role.

The project, initially announced in 2021, experienced multiple delays, partly due to S Shankar's simultaneous commitment to Indian 2 with Kamal Haasan. Ram Charan, in the meantime, was heavily invested in promoting his international success RRR, which saw him touring worldwide to support the film. Additionally, Kiara Advani took a brief hiatus in 2022 following her marriage to actor Siddharth Malhotra, further fueling speculation about delays.



Ananya Panday

Opens Up On Red Flags In A Relationship: 'Half-Heartedness Doesn't Work'

Thile Ananya Panday is emerging as a versatile actor, her personal life especially relationships have made headlines since her debut in Student of the Year 2. The actress has never openly admitted to her romantic equations but the chatter around her love life is a usual topic of discussion in the entertainment industry. Recently, Ananya shared her views on relationships and noted that half-heartedness doesn't work for her as one has to show loyalty and respect. During an appearance on Raj Shamani's podcast, Ananya said that she prefers to see the best in people and believes in giving her all to a romantic bond. In case of an argument, she would do everything to figure things out. That being said, she expects the same commitment from her partner.

"For me, half-heartedness doesn't work. If you are in a relationship, you have to show loyalty and respect," said Ananya. Talking about red flags in a relationship, the Call Me Bae star noted that no one sees a red flag immediately when they



start going out. It is only after a while that they realise what could have been better.Exploring more, she mentioned small things like not acknowledging your partner in public and disrespecting them are a big no for her. "Another red flag would be ego, like not being able to see your partner succeed," she continued. Talking about her life, she admitted that sometimes it gets intimidating for men to accept she is a successful Bollywood

During the same conversation, Annaya also revealed her idea of romance and how

she sees her ideal partner. She expressed that it is someone who pays attention to details, notes her likes and dislikes, and tries to implement them. "Remembering small things is important," she noted. Apart from that, the actress said support is also an essential factor. On the work front, 2024 has been a stellar year for Annaya Panday. She has been a part of impactful projects that have solidified her position as a versatile actor. The actress was seen as Bella Chaudhary in the show Call Me Bae. She received major love and appreciation for the Prime video series. Later, she lead Netfflix's thriller CTRL. As per reports, the actress will next be seen in period drama Shankara alongside Akshay Kumar and R. Madhavan.